धनबाद, बुधवार
08 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 278
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

तेलंगाना डीएसपी के पास मिली 300 करोड़ की संपत्ति

हैदराबाद(एजेंसी) : तेलंगाना में एक पुलिस अधिकारी के पास करोड़ों रुपए की बेनामी संपत्ति मिली है। सोमवार शाम उन्हें आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान संकीरेड्डी भीम रेड्डी के रूप में हुई है। भीम रेड्डी हैदराबाद में पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज में डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के पद पर तैनात हैं।

जांच में पता चला है कि रेड्डी ने करोड़ों की प्रॉपर्टी तेलंगाना व कर्नाटक में अपने रिश्तेदारों, दोस्तों, कथित बेनामीदारों और सहयोगियों के नाम पर खरीद रखी थी। तेलंगाना एंटी-करप्शन ब्यूरो ने रेड्डी के घर की तलाशी ली, जिसमें 3.60 लाख रुपए नकद, 2 किलो सोने के गहने और लगभग 20 किलो चांदी के सामान मिले। इसके अलावा लगभग 20 लाख रुपए का बैंक बैलेंस भी मिला है।

परिवार पर चढ़ा ट्रेलर, 4 की मौत

जयपुर(एजेंसी) : जयपुर में तेज रफ्तार ट्रेलर ने फुटपाथ पर बैठे एक परिवार के 5 लोगों को कुचल दिया। हादसे में तीन बच्चों और पिता की मौत हो गई। मां के दोनों पैर कट गए। हादसा इतना भीषण था कि बच्चों के शवों के चिथड़े उड़ गए। एक बच्चे के शव के दो टुकड़े हो गए। सभी लोग नाले में गिर गए। हादसा श्याम नगर थाना क्षेत्र के 200 फीट बाईपास पर कमला नेहरू नगर में मंगलवार सुबह 8:46 बजे हुआ। मृतकों की पहचान राजसमंद के जैतपुरा का निवासी चंद्रप्रकाश और उनके बेटों रमेश (11), दीपक (8),रतन (10) के रूप में हुई है। चंद्रप्रकाश की पत्नी कैलाशी गंभीर रूप से घायल है। कैलाशी के दोनों पैर कट गए हैं। एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा में इलाज चल रहा है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में बड़ा फेरबदल

नई दिल्ली(एजेंसी) : केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के तीन करीबी अफसरों को एक साथ हटा दिया गया है। इनमें प्राइवेट सेक्रेटरी अमर सिंह और एडिशनल प्राइवेट सेक्रेटरी शैलेश कुमार सिंह और आयुष सरन शामिल हैं। पर्यावरण मंत्रालय ने 3 जुलाई को अलग-अलग आदेश जारी किए। सरकार ने इन बदलावों की वजह नहीं बताई है।

2010 बैच के भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी अमर सिंह को उनके मूल विभाग यानी राजस्व विभाग वापस भेज दिया गया है। वे 2021 से भूपेंद्र यादव के साथ काम कर रहे थे। वहीं, एडिशनल प्राइवेट सेक्रेटरी शैलेश कुमार सिंह को भी उनके मूल कैडर, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भेज दिया गया है। दूसरे एडिशनल प्राइवेट सेक्रेटरी आयुष सरन को भी पद से हटा दिया गया है। उनके आदेश की कॉपी प्रधानमंत्री कार्यालय, कैबिनेट सचिवालय और डीओपीटी को भी भेजी गई है।

सीजेपी को हाईकोर्ट से राहत

नई दिल्ली(एजेंसी) : दिल्ली हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया पर शुरू हुई मुहिम कॉकरोच जनता पार्टी के एक्स हैंडल को बहाल करने का आदेश दिया है। मंगलवार को पारित अपने फैसले में कोर्ट ने केंद्र सरकार के अकाउंट ब्लॉक करने के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने केंद्र के अवरोधक आदेश के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके द्वारा दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया।सुनवाई के दौरान, सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षा नीट के दोबारा आयोजन से पहले अराजकता से बचने के लिए यह अकाउंट ब्लॉक किया गया था। सरकार का तर्क था कि ऐसे अकाउंट से गलत सूचना फैल सकती है,

भारत इंडोनेशिया और आसियान क्षेत्र में प्रगति और समृद्धि की प्रेरक शक्ति: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को इंडोनेशिया में भारतीय समुदाय से जुड़े कार्यक्रम में कहा कि दोनों देशों के बीच सभ्यता और सागर का संबंध है। दोनों देश विकास के लिए अधीर हैं। उन्होंने कहा कि भारत इंडोनेशिया और आसियान क्षेत्र में प्रगति और समृद्धि लाने के लिए एक प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज जकार्ता में भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ भाग लिया। इस दौरान उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने इंडोनेशिया की प्रगति और समृद्धि में योगदान देने और दोनों देशों के बीच मित्रता के जीवंत सेतु के रूप में कार्य करने के लिए भारतीय प्रवासी समुदाय की सराहना की।

उन्होंने कहा, आज का भारत सिर्फ अपने सपने पूरे नहीं कर रहा

है, बल्कि हर मित्र देशों के सपनों के साथ है। भारत सबका साथ-सबका विकास के मंत्र पर चलता है। भारत की आत्मनिर्भरता इंडोनेशिया सहित पूरे आसियान क्षेत्र के लिए गुणक बल है।कार्यक्रम में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कहा कि अनुवांशिक जांच में उन्हें पता चला है कि उनमें भारतीय डीएनए है। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने भारतीयों के दिलों को छू लिया है। दोनों देशों के बीच डीएनए आपसी विश्वास, साझेदारी और विरासत है।

उन्होंने कहा, ह्लचाहे महानदी पर केले के छाल से बनी छोटी नावों को बहाने की परंपरा हो, वायंग कुलित के माध्यम से महाभारत का मंचन हो, या देवी श्री की पूजा हो, हर परंपरा भारत और इंडोनेशिया के बीच अटूट सांस्कृतिक संबंध को दशार्ती है। इस बंधन का इतिहास जितना प्राचीन है, उतना ही समृद्ध भी है।

उन्होंने इंडोनेशिया में लोकप्रिय भारतीय गीत ह्यकुछ-कुछ होता है...ह्ल का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों के साथ काम करने से कुछ से आगे बहुत कुछ होता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को दुनिया के विकास को गति प्रदान कर रहा है। ऐसा पिछले 12 सालों में देश में हुए रिफार्म के कारण संभव हो पया है। कोरोना और पश्चिम एशिया के संकट से भी भारतीय अर्थव्यस्था न ठप्प हुई और न ही इसकी रफ्तार थमी।कार्यक्रम में अपने संबोधन में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने अपने यहां भी उनका अनुसरण किया है।

राज्यपाल से मिले नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्त, निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ दायित्व निभाने का दिया संदेश

रांची, (एजेंसी) : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को रांची स्थित लोक भवन में राज्य के चार नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्तों ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी आयुक्तों को उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए सूचना के अधिकार अधिनियम की मूल भावना के अनुरूप निष्पक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह कार्यप्रणाली अपनाने का आह्वान किया।

राजभवन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, राज्य सूचना आयुक्त अनुज कुमार सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक ने लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल ने राज्य सूचना आयोग की भूमिका, सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सुशासन को मजबूत बनाने में आयोग की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की।राज्यपाल ने कहा कि राज्य सूचना आयुक्तों का दायित्व केवल अपीलों और शिकायतों का निस्तारण करना भर नहीं है, बल्कि शासन व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनविश्वास को सुदृढ़ करना भी है। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है, जो प्रशासन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और नागरिक-केंद्रित बनाने में अहम भूमिका निभाता है।उन्होंने सभी नवनियुक्त आयुक्तों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्पक्षता, ईमानदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ करें। उन्होंने कहा कि आयोग के प्रत्येक निर्णय में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन, समयबद्ध सुनवाई तथा तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय सुनिश्चित होना चाहिए। इससे आम नागरिकों का सूचना आयोग पर विश्वास और अधिक मजबूत होगा। इस अवसर पर नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्तों ने राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे सूचना के अधिकार अधिनियम की मूल भावना के अनुरूप निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से कार्य करेंगे तथा आयोग की गरिमा और विश्वसनीयता बनाए रखते हुए नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे

भारत तीन देशों को बेचेगा ब्रह्मोस मिसाइल, इंडोनेशिया के साथ 200 मिलियन डॉलर की रक्षा डील पक्की

नई दिल्ली(एजेंसी) : भारत अब फिलीपींस और वियतनाम समेत तीन देशों को ब्रह्मोस मिसाइल निर्यात करने के लिए तैयार है। इसके अलावा, भारत ब्रह्मोस के निर्यात के लिए कम से कम आधा दर्जन अन्य देशों के साथ भी बातचीत कर रहा है। शीर्ष अधिकारियों ने बताया कि भारत, इंडोनेशिया को 200 मिलियन डॉलर की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की दो बैटरी की आपूर्ति करने के लिए तैयार है। यह आपूर्ति दोनों देशों के बीच मंगलवार को हुए रक्षा समझौतों का हिस्सा है, जिनमें एस्ट्रा एयर-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, डिफेंस टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और समुद्री सुरक्षा शामिल हैं। एक ब्रह्मोस बैटरी में आमतौर पर चार लॉन्चर और 12 दागने के लिए तैयार मिसाइलें होती हैं, साथ ही अन्य उपकरण और वाहन भी होते हैं। इसके साथ ही, भारत अब फिलीपींस और वियतनाम समेत तीन देशों को ब्रह्मोस मिसाइल निर्यात करने के लिए तैयार है। भारत ब्रह्मोस के निर्यात के लिए कम से कम आधा दर्जन अन्य देशों के साथ भी बातचीत कर रहा है।

फिलीपींस ने 2022 में भारत से तीन प्रकार की हथियार प्रणालियां खरीदी थीं। मई 2026 में रक्षा सचिव

राजेश कुमार सिंह ने सिंगापुर के शांगरी-ला संवाद में आधिकारिक तौर पर पुष्टि की कि भारत ने वियतनाम के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों की बिक्री के लिए एक समझौता किया है और इंडोनेशिया के साथ इसी तरह का समझौता अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा था कि देश आम तौर पर उन्नत हथियार प्रणालिययां और प्लेटफॉर्म उन देशों को बेचते हैं जिन्हें वे मित्र या सहयोगी मानते हैं। इस समझौते की डीटेल्स पर पिछले साल नवंबर में नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके इंडोनेशियाई समकक्ष की सह-अध्यक्षता में हुए तीसरे भारत-इंडोनेशिया रक्षा मंत्रियों के संवाद के दौरान चर्चा की गई थी।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस 10 देशों को करेगा निर्यात

ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड मिसाइल प्रणाली और इसके कॉम्पैक्ट नेक्स्ट-जेन संस्करण ब्रह्मोस एनजी को दक्षिण अफ्रीका और पश्चिम एशियाई देशों जैसे सऊदी अरब, यूएई और मिस्र सहित कम से कम 10 देशों को निर्यात करने की योजना बना रही है। मौजूदा ब्रह्मोस मिसाइलों की मारक क्षमता को जमीनी हमलों के लिए 290 किमी से बढ़ाकर 500 किमी और जहाजी हमलों के लिए 400 किमी करने का काम चल रहा है।

टीबी मुक्त भारत अभियान के लिए श्रम एवं रोजगार और रक्षा के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय की बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने टीबी मुक्त भारत अभियान के कार्यान्वयन में समन्वय मजबूत बनाने और समग्र सरकारी दृष्टिकोण द्वारा इसमें तेजी लाने के लिए मंगलवार को केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल, श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के साथ एक उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयी बैठक की। प्रगति समीक्षा बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान को राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन में बदलने के लिए भारत की युवा शक्ति के इस्तेमाल की आवश्यकता पर जोर दिया गया।इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा टीबी (तपेदिक) उन्मूलन के लिए सरकार और समाज के समग्र दृष्टिकोण के साथ प्रत्येक मंत्रालय, संस्था और हितधारकों द्वारा उनकी क्षमताओं और पहुंच के माध्यम से योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं, सामुदायिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यस्थलों और सरकारी विभागों की सक्रिय भागीदारी जागरूकता बढ़ाने, शीघ्र निदान, उपचार के प्रति प्रतिबद्धता और रोगी सहायता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे टीबी मुक्त भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य की तरफ बढ़ा जा सकेगा।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय से बातचीत में मौजूदा टीबी मुक्त भारत टोली मॉडल को व्यापक बनाते हुए, अभियान में 'मेरा युवा भारत' स्वयंसेवकों और नेशनल कैडेट कोर - एनसीसी कैडेटों की भागीदारी बढ़ाने का

आग्रह किया। उन्होंने मंत्रालय से जांच शिविर के लिए स्वयंसेवकों के नेतृत्व में इस कार्य को विस्तारित करने, स्वयंसेवकों को प्रमुख निक्षय मित्र के रूप में प्रशिक्षित करने वाले अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम मजबूत बनाने और स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में युवाओं के नेतृत्व में जागरूकता प्रयास गहन बनाने का भी अनुरोध किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने रक्षा मंत्रालय से सामुदायिक जागरूकता रैलियों, जांच शिविरों के लिए एकत्रीकरण, घरेलू संपर्क शिक्षा और टीबी रोगियों के लिए पोषण सहायता अभियानों में एनसीसी कैडेटों और रक्षा कर्मियों से निरंतर और विस्तारित समर्थन मांगा। साथ ही एनसीसी प्रशिक्षण शिविरों, गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस जैसे विशेष अवसरों, साहसिक शिविरों और ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रमों में टीबी के प्रति जागरूकता कार्यक्रम शामिल करने का अनुरोध किया।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने अपने संबोधन में टीबी मुक्त भारत अभियान को और गति देने के लिए संस्थागत समन्वय और समन्वित कार्रवाई सुदृढ़ बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि देश में लगभग 6 लाख स्नातक चिकित्सा छात्रों और लगभग 2 लाख स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों का प्रशिक्षित मानव संसाधन भंडार है, जिन्हें इस अभियान में देश भर के मेडिकल कॉलेजों के माध्यम से सार्थक रूप से शामिल किया जा सकता है।डॉ. मांडविया ने जिला स्तर पर समन्वय प्रभावी बनाने के लिए, प्रतिभा सेतु कार्यक्रम के उम्मीदवारों को जिला टीबी समन्वय समिति में उपयुक्त रूप से शामिल किये जाने का सुझाव दिया।

दिसंबर 2024 में आरंभ टीबी मुक्त भारत अभियान से तपेदिक के सक्रिय मामलों का पता लगाने, मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सहायता और समग्र सरकारी दृष्टिकोण द्वारा भारत के तपेदिक उन्मूलन के प्रयास में काफी तेजी आई है।

टीबी मुक्त भारत अभियान आरंभ होने के बाद से, देश भर में 28 करोड़ से अधिक टीबी की आशंका वाले व्यक्तियों की जांच की गई, जिसमें 39 लाख से अधिक टीबी मरीजों की पहचान हुई। इसमें विशेष रूप से, छाती के एक्स-रे जांच से 12.93 लाख लक्षणहीन टीबी रोगियों की पहचान की गई, जिससे उनकी बीमारी का शीघ्र निदान संभव हुआ, अन्यथा वे अनदेखे रह जाते और अपने समुदायों में बीमारी फैलाते रहते। इस अभियान से रोगी-केंद्रित सहायता तंत्र भी सशक्त हुआ है।

इस पहल के तहत 57 लाख से अधिक निक्षय मित्रों ने पंजीकरण कराया है और टीबी रोगियों को 389 लाख पोषण पैकेट वितरित किए हैं। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम के विशेष देखभाल दृष्टिकोण के तहत 20 लाख से अधिक रोगियों का आकलन कर, उन्हें व्यक्तिगत सहायता प्रदान की गई, जिससे सुनिश्चित किया गया कि उपचार और देखभाल उनकी नैदानिक और सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

लैंप्स पैक्स को ग्रामीण इकोनॉमिक सेंटर के रूप में विकसित किया जायेगा:शिल्पी नेहा तिर्की

टूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के द्वारा सहकारिता सम्मेलन मंगलवार को विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित की गयी।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की थी।कार्यक्रम में प्रमंडल के सहकारिता समिति के अध्यक्ष, सचिव व अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।मंत्री ने झारखंड सहकारिता निबंधन पोर्टल रिमोर्ट से व मिलेट मिशन से शुरूआत की।मंत्री नेहा तिर्की ने कहा कि किसी भी बदलाव की पहली कड़ी जागरूकता होती है।जागरूक नहीं रहने पर सपना अधूरा रह जाता है। हमें कोई गुरेज नहीं है कि झारखंड की सहकारिता में मोनोपोली हावी है।कुछ लोग सहकारिता को अपने तक सीमित रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि गांधी जी का मानना था कि सहकारिता से ही सभी का सपना साकार हो सकता है।इसके लिए सता का विकेंद्रीकरण होना चाहिए।कई राज्यों में इसकी ताकत को जाना है।सहकारिता से जुड़कर लोग काम कर रहे हैं और अपनी जिम्मेदारी को भी निभा रहे हैं।भारत के दक्षिण राज्यों की कुल आबादी में 20 प्रतिशत हिस्सा है। जबकि देश की जेडीपी में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है।यह बदलाव सहकारिता

के कारण हुआ है।उन्होंने कहा कि पिछले दिनों सहकारिता सप्ताह के दौरान में डेढ़ लाख नये सहकारिता सदस्यों का पंजीकरण हुआ है। सहकारिता राज्य के पलायन को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बड़े-बड़े राज्यों में सहकारिता के माध्यम से टेंडर हो रहे हैं।झारखंड में सहकारिता को लेकर अल्प दृष्टि है।यहां खाद, बीज वितरण और खरीद तक सीमित है। आनेवाले समय में लैंफ पैक्स को ग्रामीण इकोनोमी सेंटर के रूप में विकसित किया जायेगा।बेहतर प्रदर्शन करनेवाले लैंफ पैक्स के ऋण का मूलधन ब्याज सरकार भरेगी।सहकारिता मंत्री ने कहा कि 2014 में झारखंड में प्रतिदिन दूध कलेक्शन मात्र 40 हजार लीटर था।अब तीन लाख लीटर प्रतिदिन कलेक्शन हो रहा है। 70 हजार किसान झारखंड मिल्क फेडरेशन से मिलकर काम कर रहे हैं। झारखंड में मोती की खेती हो रही है। बरही विधायक मनोज यादव ने कहा कि पिछले वितीय वर्ष हजारीबाग में धान क्रय केंद्र कम खोले गये जिससे धान कर दर नहीं मिल पाया। किसानों का लाभ कागजों पर न रहे इसका ध्यान सरकार को रखना होगा।बरही विधायक ने मंत्री से बरही में कोल्ड स्टोरेज खोलने व गौरियाकरमा पशु फार्म का कायाकल्प करने की मांग की।रामगढ़ विधायक ममता देवी ने कहा कि कई जिलों में धान बीज का वितरण नहीं हो पाया है।रामगढ़ में कृषि विभाग के कई कार्यालय नहीं हैं। इससे किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।मांडू विधायक निर्मल महतो ने कहा कि 2022 में विष्णुगढ़ व टाटीझरिया के पशुपालकों को दुधारू गाय खरीदने के लिए पैसा खाते में आया है लेकिन आज तक इसकी खरीदारी नहीं हुई।निबंधन सहयोग समिति झारखंड के शशि रंजन ने कहा कि 29 जून से छह जुलाई तक सहकारिता सप्ताह मनाया गया।इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्य भर में 80 हजार से अधिक सदस्य बनाये गये हैं।सहकारिता नई दिशा में बंट रही है। सहकारिता निबंधन पोर्टल की शुरूआत की गयी है।कृषि निदेशक पंकज कुमार ने कहा कि कम बारिश को लेकर राज्य सरकार मिल्लेट मिशन की शुरूआत कर रही है। इसका रजिस्ट्रेशन सभी प्रज्ञा केंद्रों में होगा।एक हेक्टेयर पर प्रति किसान तीन हजार रुपए सरकार देगी।डेयरी के निदेशक डॉ संजीव रंजन ने कहा कि राज्य में 70 हजार डायरी कम्युनिटी सोसाइटी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। झारखंड का दूध उत्पादन के मामले में मात्र 1.6 प्रतिशत देश में योगदान दे पाता है। इंडियन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट हैदराबाद के कामिनी सिंह ने वनोत्पाद को लेकर आर्टिफियल इंटलीजेंस की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में हजारीबाग उपायुक्त हेमंत सती और जिला सहकारिता पदाधिकारी मनोज कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम में झासकोफिस, झासकोलैंफ, पैक्स, झामोओफेड, निबंधन प्रमाण पत्र, उत्कृष्ट करनेवाले पैक्सों के बीच परिसंपति व टूलकीटस का वितरण किया गया।

वायनाड में भूस्खलन, दो की मौत, मंत्रियों ने बताया इंसानी गलती

वायनाड (एजेंसी) : केरलम के वायनाड जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच मंगलवार को हुए भीषण भूस्खलन में दो लोगों की जान गई। यह दुखद घटना कल्लाडी में मीनाक्षी पुल के पास घटी, जहां मलप्पुरम और वायनाड को जोड़ने वाली अनाक्कमपॉइल-मेप्पडी टनल रोड परियोजना का काम हो रहा था। पहाड़ी के दरकने से परियोजना से जुड़े कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए, जबकि मजदूरों को लाने-ले जाने वाली कुछ गाड़ियां भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुई। मलबे के नीचे अब भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है, जिसके बाद इलाके में बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया गया है। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मदद के लिए आगे आए और कई लोगों को सुरक्षित निकाला। जिला प्रशासन को आशंका है कि करीब 10 लोग अभी भी मलबे में दबे हो सकते हैं, जबकि छह गंभीर घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर है। मौके पर फायर ब्रिगेड और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 60 सदस्यीय टीमें राहत कार्यों में युद्धस्तर पर जुटी हुई हैं, जिसकी जानकारी केरल के राजस्व मंत्री एपी अनिल कुमार ने दी। इस बीच, केरलम सरकार के मंत्रियों ने

हादसे को लेकर कोंकण रेलवे पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। राज्य के कृषि मंत्री टी सिद्दीकी ने घटनास्थल के लिए रवाना होने से पहले कहा, यह कोई प्राकृतिक भूस्खलन नहीं, बल्कि मानव निर्मित दुर्घटना है। यह सीधे तौर पर लापरवाही का मामला है। जिला कलेक्टर ने पहले ही कोंकण रेलवे को स्थल पर भूस्खलन के भारी खतरे के बारे में लिखित में चेतावनी दी थी, लेकिन उनकी ओर से कोई कदम नहीं उठाया गया। मंत्री ने अपनी नाराजगी जताकर कहा कि ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती, खासकर तब जब दो साल पहले, 2024 में मुंडक्कई में इसतरह के एक भयानक भूस्खलन में 298 लोगों की जान गई थी। हादसे की खबर मिलते ही केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीसन ने आपातकालीन बैठक बुलाई और अधिकारियों को युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य चलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट मंत्री एपी अनिल कुमार और टी सिद्दीकी को स्वयं वायनाड जाकर बचाव अभियान की कमान संभालने को कहा है। उधर, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने वायनाड और पड़ोसी जिले कोझिकोड के लिए भारी से बेहद भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जहां पिछले 24 घंटों में 265 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की जा चुकी है। इसके अलावा, मलप्पुरम, कन्नूर और कासरगोड जिलों को ऑरेंज अलर्ट पर रखा गया है। वायनाड के लिए भूस्खलन का खतरा कोई नया नहीं है। पश्चिमी घाट की पहाड़ियों पर बसा यह खूबसूरत जिला केरल के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक है। इतिहास गवाह है

संक्षिप्त खबरें

धोनी फैंस क्लब ने केक काटकर मनाया महेंद्र सिंह धोनी का 45वां जन्मदिन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एवं करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों के प्रेरणास्रोत महेंद्र सिंह धोनी का 45 वां जन्मदिन मंगलवार को चक्रधरपुर रेलवे क्षेत्र स्थित महात्मा गांधी सभागार में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर धोनी फैंस क्लब के सदस्यों ने 8 पाउंड का केक काटकर अपने प्रिय क्रिकेट स्टार को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में क्लब के प्रमुख आर श्रीकांत राव उर्फ डिक्की राव ने कहा कि धोनी फैंस क्लब पिछले 21 वर्षों से लगातार उत्साह और श्रद्धा के साथ महेंद्र सिंह धोनी का जन्मदिन मना रहा है। उन्होंने कहा कि धोनी केवल एक सफल क्रिकेटर ही नहीं, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा के प्रतीक हैं। उनके नेतृत्व, सादगी और संघर्ष की कहानी आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करती है।डिक्की राव ने बताया कि क्लब द्वारा हर वर्ष धोनी के जन्मदिन एवं अन्य विशेष अवसरों पर पौधारोपण, स्वच्छता अभियान तथा विभिन्न सामाजिक कार्य भी किए जाते हैं। क्लब का उद्देश्य केवल जन्मदिन मनाना ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना भी है।इस अवसर पर आनंद दोदराजका, गणेश पाडेया, अनूप दुबे, जॉय मुखर्जी, दीपक पान, दीपक महतो, एन. मनोज कुमार, जी. प्रसाद, राजेश मार्डी, महेश बंदकी, श्रीनिवास राव, सौभाग्य विश्वाल, श्याम यादव, पिंटू जायसवाल सहित बड़ी संख्या में क्लब के सदस्य एवं शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान धोनी के उज्ज्वल स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना की गई।

बारिश के दौरान बिजली ने की दिन भर आँख मिचौली,कई इलाकों में ट्रांसफार्मर के फ्यूज में खराबी की शिकायत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राजधानी में पिछले 36 घंटों से हो रही बारिश ने गर्मी और उमस से राहत तो दी, लेकिन इससे बिजली व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो गयी। रुक-रुक कर हो रही बारिश में बिजली कटौती ने लोगों को परेशान कर दिया। लोकल फॉल्ट से शहर की रातु रोड, तिलता, काठीटांड न्यू पिर्रा, हरमू, हटिया, सिंह मोड़, बिरसा चौक, बहु बाजार, मेन रोड, कोकर रूलर से जुड़े इंडस्ट्रियल फीडर में दिन में कई बार ट्रिपिंग दर्ज हुई। वहीं, डोरंडा परसटोली इलाके में सुबह ही ट्रांसफार्मर में खराबी दर्ज हुई।मरम्मत के दौरान पता चला कि ट्रांसफार्मर खराब है। बहु बाजार से जुड़े कई कॉलोनियों में बिजली घंटों तक बंद रही। बरियातू के रानी बागान, बांधगाड़ी अयोध्यापुरी इलाके में दिन भर बिजली का आना-जाना लगा रहा। राजधानी में मौसम में हुए बदलाव के बाद शहर में बिजली की सप्लाई में करीब 25 मेगावाट डिमांड घट गई।हटिया वन से शाम सात बजे के करीब 135 की जगह 108.06 मेगावाट सप्लाई दर्ज हुई।यही हाल नामकुम और कांके ग्रिड का भी रहा। 33 केवीए हरमू सबस्टेशन से जुड़े बड़े इलाकों में दोपहर बाद 02 बजे से 03:07 बजे तक आपूर्ति प्रभावित रही।यहां करीब एक घंटे तक सप्लाई बाधित रहने की खबर थी। पिछले 36 घंटों से बारिश होती रही। इस वजह से ट्रिपिंग भी खूब हुई।बिजली विभाग के अधिकारियों और सबस्टेशनों को जब कॉल कर बिजली बाधित रहने की जानकारी दी गई तो बारिश में लोकल फॉल्ट बताकर मरम्मत में देरी की बात कहते रहे।

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत घर-घर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम, शेष 143 लोगों के नमूने 13 जुलाई को लिए जाएंगे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड के पारिया हेल्थ सब सेंटर (एचएससी) अंतर्गत अयोध्या गांव में माइक्रो फाइलेरिया दर का पता लगाने के उद्देश्य से सोमवार की रात नाइट ब्लड सर्वे का आयोजन किया गया।सर्वे का उद्देश्य समुदाय में फाइलेरिया संक्रमण की वास्तविक स्थिति का आकलन करना तथा उन्मूलन कार्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस गांव में 20 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के 300 लोगों के रक्त नमूने एकत्र करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।पहले चरण में सोमवार की रात स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घर-घर जाकर 157 लोगों के रक्त नमूने सफलतापूर्वक एकत्र किए।शेष पात्र लाभार्थियों के रक्त नमूने 13 जुलाई को लिए जाएंगे।सर्वेक्षण के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों को फाइलेरिया रोग के कारण, लक्षण, बचाव, समय पर जांच एवं उपचार के महत्व की जानकारी दी।साथ ही लोगों से रात्रिकालीन रक्त सर्वे में स्वेच्छा से भाग लेने तथा स्वास्थ्य विभाग को पूर्ण सहयोग देने की अपील की, ताकि फाइलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से हासिल किया जा सके।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार नाइट ब्लड सर्वे के दौरान एकत्र किए गए रक्त नमूनों की जांच कर माइक्रोफाइलेरिया की दर का आकलन किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व प्रथम चरण में चेलाबेड़ा गांव और बुढ़ीगोड़ा गांव में 300-300 लोगों के रक्त नमूने लेकर सर्वेक्षण किया जा चुका है।

बड़ाजामदा में बाल विवाह व डायन कुप्रथा के खिलाफ विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) रांची एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) पश्चिमी सिंहभूम मोहम्मद शाकिर के निर्देश पर 90 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को नोवामुंडी प्रखंड के बड़ाजामदा स्थित आदर्श मध्य विद्यालय में बाल विवाह एवं डायन कुप्रथा के विरुद्ध विधिक जागरूकता एवं कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीएलएसए के सचिव रवि चौधरी ने कहा कि डायन कुप्रथा केवल एक अंधविश्वास नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक और कानूनी अपराध है। उन्होंने बताया कि अधिकांश मामलों में किसी की संपत्ति पर कब्जा करने या पुरानी दुश्मनी निकालने की मंशा से महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित किया जाता है।उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को डायन कहना उसके मानवाधिकारों का उल्लंघन है तथा ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने उपस्थित लोगों को बाल विवाह निषेध अधिनियम, बाल श्रम निषेध कानून तथा बच्चों के शिक्षा एवं समुचित विकास से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए समाज से इन कुप्रथाओं को समाप्त करने का आह्वान किया।साथ ही लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की निःशुल्क कानूनी सहायता सेवाओं का लाभ उठाएं।साथ ही थाना प्रभारी विनीता कुमारी ने कहा कि अगर स्कूल के छात्राओं के साथ कोई भी आकर उसके शरीर को टच करता है तो तुरंत ही इसकी शिकायत स्कूल के शिक्षक, अपने माता-पिता से या महिला थाना आकर इसकी जानकारी दें तभी उसे पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।अपनी चुप्पी तोड़े और तुरंत ही इसकी जानकारी अपने माता-पिता को दे। इसके साथ उपस्थित लोगों ने भी बच्चों एवं अभिभावकों को जागरूक किया तथा कानूनी संबंधी जानकारी दी गई।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजकुमार श्रीवास्तव, नोवामुंडी महिला थाना प्रभारी विनीता कुमारी, लीगल डिफेंस काउंसिल प्रमुख सुरेंद्र प्रसाद, अधिकार मित्र प्रमिला पात्रो, उप प्रमुख ज्योति दास, मदन किशोर एवं विनीता सांडिल सहित विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

बिरनी में अलग-अलग घटना में दो युवक की मौत, एक ने लगाया फांसी तो दूसरे का करंट लगने से मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : बिरनी प्रखंड के दो अलग-अलग गांव में मंगलवार को दो युवक की मौत हो गई। एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने , जबकि दूसरा युवक की बिजली के करंट के चपेट में आने से मौत हो गई। दोनों घटनाओं के बाद क्षेत्र में मातम है व परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पहली घटना भरकट्ठा ओपी क्षेत्र के पड़रमनिया गांव की है। जहां किशुन मण्डल का 26 वर्षीय पुत्र जनार्दन कुमार मंडल का शव घर अंदर कमरा में पंखा से फंदे के सहारे लटका मिला। मृतक के पिता किशुन मंडल ने बताया कि सोमवार रात को परिवार के सभी सदस्य पड़ोस में एक शादी समारोह से लौटकर पुत्र को दूध पीने के लिए दिया, लेकिन उसने बाद में पीने की बात कहकर कमरे में चला गया। मंगलवार सुबह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर परिजनों ने दरवाजा खोलने का प्रयास किया, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। इसके बाद खिड़की से देखने पर पुत्र का का शव पंखा से लटका हूवा देखा।घटना की सूचना मिलते ही भरकट्ठा ओपी पुलिस के एएसआई भक्तलाल मंडल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया। युवक ने आत्महत्या क्यों की, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।वहीं दूसरी घटना बलिया पंचायत के नगड़ी गांव की है जहां हकीम मियां का 25 वर्षीय पुत्र सद्दीक अंसारी का बिजली करंट के चपेट में आने से मौत हो गई। बताया जाता है कि सद्दीक अंसारी घर में रखा फ्रिज से पानी निकालने गया, तभी अचानक करंट की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।इस घटना में बीच बचाव करने के दौरान गांव के ही बसीर अंसारी के पुत्र साबिर अंसारी भी करंट लगने से घायल हो गया है। बताया जा रहा है कि बिजली के तेज वोल्टेज के कारण गांव के करीब 15 से 20 घरों का विद्युत उपकरण भी क्षतिग्रस्त हो गया है।मृतक अपने पीछे दो छोटी बेटियों व पत्नी को छोड़ गया है।घटना की सूचना मिलने पर भरकट्ठा ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और कानूनी प्रक्रिया को शुरू किया।इस दौरान स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग करते हुए कुछ देर तक पुलिस की कार्रवाई को रुकवा दिया।घटना की सूचना पर मुखिया प्रतिनिधि सगीर अंसारी, भाकपा माले नेता मुस्तकीम अंसारी, कमरुद्दीन अंसारी को मिलने पर घटना स्थल पर पहुँचकर विद्युत विभाग के एसडीओ विनोद कुमार को मामले से अवगत कराया।इसके बाद विभाग के कर्मी गणेश महतो मौके पर पहुंचकर युवक की जांच करते हुए बताया कि मृतक के शरीर के दाहिने पिछले हिस्से पर करंट लगने के निशान हैं तथा कुछ हिस्सा झुलस गया है। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया।घटना के बाद परिजनों ने विद्युत विभाग से मुआवजे की मांग की है। वहीं ग्रामीणों ने बिजली विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए विभाग की लापरवाही बताया है।ग्रामीणों का कहना है कि यह गांव में करंट से होने वाली पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी बिजली के करंट की चपेट में आने से दो बैलों की मौत हो चुकी है, लेकिन विभाग ने समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। घटना के बाद गांव में बिजली विभाग के प्रति लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

क्रशर के हैवी ब्लास्टिंग से दरक रहे हैं आराहासा व कमारबासा गांव की मकानें,खनन विभाग के डीजीएमएस के उपनिदेशक ने किया निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : राजनगर अंचल के मौजा मेड़की में स्थित भागवती स्टोन क्रशर द्वारा हैवी ब्लास्टिंग से पत्थर तोड़ने के मामले पर खनन विभाग के डायरेक्टर जनरल ऑफ माईंस सेफ्टी के उपनिदेशक मिथलेश कुमार ने मंगलवार को राजनगर के कमारबासा व आराहासा गांव का दौरा किया।दौरा के क्रम मेंगांव में हैवी ब्लास्टिंग से दरके घर को देखा और जानकारी हासिल किया।इस दौरान पंचायत के उपमुखिया सुनिता तियु ने ब्लास्टिंग से हो रहे नुकसान के बारे में अवगत कराया।कहा कि क्रशर प्लांट द्वारा मैन्युअल तोड़ने के बजाय ब्लास्टिंग कर पत्थर तोडा जाता है जिसके कारण आराहासा,कमारबासा सहित आसपास के दर्जनों घर दरक रहे हैं साथ ही जान माल के नुकसान के अंदेशा से ग्रामीणों में दहशत है। निरीक्षण में उपनिदेशक ने घरों में पड़े दरारोंको देखा और इसकी जानकारी विभाग को अवगत कराने की बात कहा।दौरे के क्रम में खान उपनिदेशक मिथलेश कुमार ग्रामीणों से मिले। इस दौरान ग्रामीणों ने अधिकारी को बताया कि पिछले एक दो वर्षो से क्रशर द्वारा लगातार हेवी ब्लास्टिंग की जा रही है।इसी कारण घरों में दरारें बढ़ती जा रही हैं।कई मकान गिरने की स्थिति में पहुंच गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि क्रेशर प्रबंधन से अनुरोध के बावजूद ब्लास्टिंग बंद नहीं की गई. साथ ही क्रेशर द्वारा 70-80 फीट तक नीचे खुदाई भी की गई है।पोटका पंचायत की उपमुखिया सुकुरमनी तियु ने कहा कि ब्लास्टिंग से हुए नुकसान का आकलन कर मुआवजा देने की मांग किया है।

सिरमटोली में बड़ी राहत, योगदा सत्संग के पास दोनों ओर से रास्ता खुला,डेढ़ साल बाद टू-वे ट्रैफिक शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : सिरमटोली इलाके से गुजरने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। योगदा सत्संग के पास बंद सड़क को दोनों ओर से वाहनों के लिए खोल दिया गया है।साथ ही इस मार्ग पर दोबारा टू-वे ट्रैफिक व्यवस्था शुरू हो गयी है। अब बहुबाजार, कांटाटोली और सिरमटोली के बीच सफर पहले की तुलना में आसान हो गया है। कनेक्टिंग फ्लाइओवर निर्माण के कारण करीब डेढ़ साल पहले इस सड़क को वन-वे कर दिया गया था।कांटाटोली से सिरमटोली जानेवाले वाहनों को चुटिया होकर जाना पड़ता था।इससे करीब डेढ़ किमी अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी। राहगीरों को रोज जाम की परेशानी भी झेलनी पड़ती थी।अब रास्ता खुलने के बाद बहुबाजार से सिरमटोली और सिरमटोली से बहुबाजार की ओर सीधे आवाजाही शुरू हो गयी है।इससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी।पथ निर्माण विभाग के इंजीनियरों ने बताया कि सिरमटोली चौक से योगदा सत्संग तक कनेक्टिंग फ्लाइओवर का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। फ्लाइओवर के लिए लगाये गये सेंट्रिंग स्ट्रक्चर का अधिकतर हिस्सा भी हटा लिया गया है।इसी कारण सड़क को दोबारा खोलना संभव हो सका।

ऐतिहासिक रथ यात्रा मेले के लिए पुख्ता सुरक्षा व सुचारू संचालन सुनिश्चित करें : हाइकोर्ट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर मंदिर के प्रबंधन, संचालन व परिसर की सुरक्षा-व्यवस्था के मामले में सुनवाई की। अदालत ने झारखंड राज्य हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड का पक्ष सुनने के बाद मंदिर के प्रबंधन व संचालन की योजना पेश करने के लिए उसे समय प्रदान किया।साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को आनेवाले ऐतिहासिक रथ यात्रा मेले के लिए पुख्ता सुरक्षा और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 22 जुलाई की तिथि निर्धारित की। इससे पूर्व धार्मिक न्यास बोर्ड की ओर से अधिवक्ता भरत कुमार ने अदालत को बताया कि बोर्ड एक व्यापक प्रबंधन योजना तैयार करने की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने बोर्ड को और समय देने का आग्रह किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।वहीं राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता रोहितश्य रॉय ने अदालत को बताया कि पुलिसकर्मियों की तैनाती के संबंध में पहले दिये गये निर्देश में बदलाव किया गया है और अब मंदिर की सुरक्षा के लिए सशस्त्र पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता वीपी सिंह व अधिवक्ता रवि कुमार सिंह ने पैरवी की। उल्लेखनीय है कि प्रार्थी जगरन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के पूर्व सचिव चंद्रकांत रायपत व अन्य की ओर से अलग-अलग याचिका दायर की गयी है।

बुजुर्ग की मौत मामले की जांच करने बैंक पहुंची टीम, परिजनों ने रो-रोकर सुनाई संवेदनहीनता की कहानी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : पेंशन नहीं मिलने के कारण महुआटीकर गांव के बुजुर्ग रतन लकड़ा (75 वर्ष) की मौत के बाद उपजे विवाद के बीच मंगलवार को प्रशासनिक जांच टीम बड़गड़ स्थित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक की शाखा पहुंची।गढ़वा उपायुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा के निर्देश पर रंका के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) मोहम्मद परवेज एवं लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (एलडीएम) सत्यदेव कुमार ने बैंक शाखा पहुंचकर मामले की विस्तृत जांच शुरू की। जांच टीम ने मृतक के परिजनों, ग्रामीणों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और बैंक कर्मियों से अलग-अलग पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जानकारी ली।जांच के दौरान एसडीएम ने मृतक की पत्नी रेपा लकड़ा, पुत्र अनिल लकड़ा एवं पुत्रवधू फुलमनी लकड़ा का आधिकारिक बयान दर्ज किया।परिजनों ने रो-रोकर अधिकारियों को बताया कि रतन लकड़ा कई महीनों से गंभीर रूप से बीमार थे और वृद्धावस्था पेंशन ही उनके इलाज का एकमात्र सहारा थी। बैंक में कई बार चक्कर काटने के बावजूद केवाईसी अपडेट नहीं होने का हवाला देकर उनकी पेंशन रोक दी गई थी।बीमारी के कारण वे बैंक की दूसरी मंजिल पर स्थित कार्यालय तक जाने में असमर्थ थे।परिजनों का आरोप है कि उन्होंने कई बार बैंक कर्मियों से नीचे आकर बायोमेट्रिक सत्यापन करने का अनुरोध किया,

लेकिन किसी ने मानवीय संवेदना नहीं दिखाई।पुत्रवधू फुलमनी लकड़ा ने जांच टीम को बताया कि जब उन्होंने शाखा प्रबंधक कृष्ण कुमार से अपने ससुर की गंभीर स्थिति का हवाला देकर मानवीय आधार पर मदद की गुहार लगाई, तब प्रबंधक ने बैंक के मैसेंजर नंदलाल राम उर्फ हेमंत कुमार से कहा, इसे बाहर निकाल दो। इस अमानवीय व्यवहार से आहत होकर वह रोते हुए बैंक से लौट गई थी। परिजनों ने बताया कि बाद में जब जनप्रतिनिधियों ने हस्तक्षेप किया, तब बैंक कर्मी घर पहुंचे और बिस्तर पर ही अंगूठा लगवाकर केवाईसी की प्रक्रिया पूरी की, लेकिन इसके बावजूद खाते से पेंशन की राशि नहीं निकल सकी।परिजनों का साफ कहना है कि अगर समय पर पेंशन मिल जाती तो इलाज हो जाता और रतन लकड़ा की जान बच जाती।जांच के दौरान ही बैंक परिसर में कालाखजुरी गांव की रंजु देवी भी पहुंच गईं और अधिकारियों के समक्ष एक और गंभीर मामला उजागर किया।महिला ने आरोप लगाया कि पति की मृत्यु के बाद उनके खाते से लगभग 55 हजार रुपये निकालने के एवज में बैंक के मैसेंजर नंदलाल राम उर्फ हेमंत कुमार ने पांच हजार रुपये रिश्वत की मांग की।विरोध करने के बावजूद जबरन पांच हजार रुपये की निकासी कराई गई, जिसमें से तीन हजार रुपये मैसेंजर ने अपने पास रख लिए। इस गंभीर शिकायत को सुनते ही एसडीएम ने संबंधित कर्मी को कड़ी फटकार लगाई और बुधवार तक पूरी राशि महिला को वापस करने का सख्त निर्देश दिया। साथ ही चेतावनी दी कि राशि वापस नहीं होने पर सीधे प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।जांच के दौरान बड़ी संख्या में आक्रोशित ग्रामीण बैंक परिसर में डटे रहे और बैंकिंग कार्यशैली पर गहरा असंतोष जताया। ग्रामीणों ने मांग की कि वृद्ध और असहाय खाताधारकों के साथ संवेदनशीलता बरती जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो।जांच टीम द्वारा पूछे जाने पर बताया गया कि शाखा प्रबंधक कृष्ण कुमार फिलहाल अवकाश पर हैं।उनकी अनुपस्थिति में बैंक के कैशियर विकास कुमार दुबे ने मृतक के खाते से संबंधित सभी अभिलेख और आवश्यक दस्तावेज जांच टीम को सौंपे।इस अवसर पर सुनील मिंज, फिलिप कुजूर, अर्जुन मिंज सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। गौरतलब हो कि सोमवार को ग्रामीणों ने बैंक गेट पर शव रखकर दो घंटे तक प्रदर्शन किया था, जिसके बाद जिला प्रशासन ने यह त्वरित जांच प्रक्रिया शुरू की है।

लोधमा-पिस्का लिंक रेल लाइन परियोजना का रास्ता साफ,17 किमी लंबी होगी रेलवे बाइपास लाइन, रांची-हटिया स्टेशन पर घटेगा ट्रेनों का दबाव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : लोधमा-पिस्का लिंक रेल लाइन परियोजना का रास्ता साफ हो गया है।झारखंड सरकार ने खूंटी जिले के कर्रा अंचल स्थित 11.635 एकड़ सरकारी जमीन को दक्षिण पूर्व रेलवे को सशुल्क स्थायी हस्तांतरण की मंजूरी दे दी है।राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।रेलवे को भूमि हस्तांतरण के एवज में 17,81,58,938 रुपये का भुगतान करना होगा। इसमें जमीन की सलामी, वार्षिक लगान का पूंजीकृत मूल्य तथा लगान पर 145 प्रतिशत सेस शामिल है।यह राशि संबंधित उपायुक्त कार्यालय में जमा करानी होगी।करीब 17 किमी लंबी लोधमा-पिसका लिंक लाइन को रेलवे बाइपास के रूप में विकसित किया जा रहा है।इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि राउरकेला की ओर से टोरी और उत्तर भारत की दिशा में जानेवाली मालगाड़ियों और कुछ लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों को रांची और हटिया स्टेशन होकर नहीं गुजरना पड़ेगा। इससे दोनों स्टेशनों पर ट्रेनों की आवाजाही का दबाव कम होगा और परिचालन अधिक आसान होगा।रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह परियोजना शहर के बाहरी हिस्से से गुजरने वाले बाइपास की

तरह काम करेगी।जिस तरह सड़क पर बाइपास बनने से शहर के भीतर यातायात का दबाव कम होता है, उसी प्रकार यह लिंक लाइन भी मुख्य रेलवे स्टेशनों पर ट्रैफिक घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।इससे मालगाड़ियों की आवाजाही तेज होगी। ट्रेनों के ठहराव और क्रॉसिंग में लगने वाला समय कम होगा।परियोजना के लिए कर्रा अंचल के दो मौजों की भूमि रेलवे को दी गयी है।मौजा काटमकुकू में 0.364 एकड़ गैरमजरुआ खास भूमि तथा मौजा कुलहुटू में 11.271 एकड़ भूमि हस्तांतरित होगी। कुलहुटू की भूमि में गैरमजरुआ खास के अलावा रास्ता, मसना और सरना जैसी गैरमजरुआ आम श्रेणी की जमीन भी शामिल है।सरकार ने भूमि हस्तांतरण के साथ कई शर्तें भी लगायी हैं। अधिसूचना के अनुसार यदि रेलवे 12 महीने के भीतर परियोजना पर काम शुरू नहीं करता है, तो हस्तांतरित जमीन स्वतः राजस्व विभाग को वापस चली जायेगी। यदि परियोजना क्षेत्र में नदी, नाला अथवा जंगल-झाड़ी वाली भूमि आती है, तो जल संसाधन विभाग और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सभी दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा।खूंटी के उपायुक्त को भूमि हस्तांतरण से पहले सभी खतियान और राजस्व अभिलेखों का सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही रेलवे और राज्य सरकार के बीच एकरारनामा का निबंधन कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए लगने वाला निबंधन एवं मुद्रांक शुल्क दक्षिण पूर्व रेलवे वहन करेगा।

एसआईआर कार्य में शिथिलता पर डीसी सख्त, लापरवाही बरतने वाले बीएलओ सुपरवाइजरों के वेतन पर रोक का निर्देश

हजारीबाग : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हेमंत सती ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में जिले के सभी बीएलओ सुपरवाइजर, संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी मौजूद थे।समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण, डिजिटाइजेशन और एएसडीडी सूची की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए लापरवाही बरतने वाले तथा बैठक से अनुपस्थित बीएलओ सुपरवाइजरों के वेतन पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ को घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण और संग्रहण करना है। यह निर्वाचन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण कार्य है, इसलिए किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को अन्य कार्य फिलहाल स्थगित कर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। साथ ही 9 जुलाई तक शत-प्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्य पूरा कर मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने पर जोर दिया।

काराओं में पारा चिकित्सा कर्मियों की भर्ती हेतु परीक्षा 10 जुलाई को

रांची : झारखंड राज्य के काराओं में पारा चिकित्सा कर्मियों की भर्ती हेतु संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन 10 जुलाई को किया जायेगा।परीक्षा रांची जिला मुख्यालय में अवस्थित विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर ली जायेगी।परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रवेश पत्र डाउनलोड करने संबंधी सूचना आयोग की अधिकृत वेबसाइट पर यथाशीघ्र प्रकाशित की जायेगी। परीक्षा के प्रकाशित विज्ञापन से संबद्ध विवरणिका में अंकित प्रावधानों के आलोक में 40 प्रतिशत अथवा इससे अधिक निःशक्तता वाले अंधापन व कम दृष्टि, चलन निःषक्तता (दोनों हाथ प्रभावित) तथा सेरेब्रल पाल्सी की कोटि के अभ्यर्थी तथा इसके अतिरिक्त निःशक्त कोटि के अन्य अभ्यर्थियों स्क्राइब की सुविधा प्रदान की जायेगी।इसके लिए संबंधित अभ्यर्थियों द्वारा सिविल सर्जन द्वारा लिखने में शारीरिक अक्षमता संबंधी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये जाने की स्थिति में संबंधित अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा स्क्राइब की सुविधा प्रदान की जायेगी।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

दामोदर घाटी विस्थापित एवं स्थानीय समन्वय समिति ने मनाया बलिदान दिवस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : डीवीसी के स्थापना दिवस पर दामोदर घाटी विस्थापित एवं स्थानीय समन्वय समिति ने मंगलवार को केसरकुराल के पुनवार्सीत गांव निमडांगा क्लब में बलिदान दिवस मनाया। कार्यक्रम में काफी संख्या में विस्थापित परिवारों एवं ग्रामीणों ने भाग लिया।इस दौरान सभी ने राष्ट्र निर्माण में त्याग एवं बलिदान देने वाले पूर्वजों को श्रद्धांजलि देकर नमन किया।समिति के महासचिव उत्पल चक्रवर्ती ने अपने संबोधन में कहा कि 7 जुलाई केवल डीवीसी का स्थापना दिवस ही नहीं, बल्कि उन हजारों विस्थापित परिवारों के अद्वितीय बलिदान को स्मरण करने का दिन है। जिनके त्याग पर डीवीसी की नींव रखी गई।कहा कि कोई भी जन्म अभिशाप नहीं होती, बल्कि जिम्मेदार लोगों के कर्तव्य से विमुख होने पर परिस्थितियां अभिशाप बन जाती हैं।उन्होंने पुनवार्सीत परिवारों को भूमि का वैधानिक स्वामित्व, पेयजल, बिजली एवं अन्य मूलभूत सुविधा शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग को दोहराया।समापन न्याय सुनिश्चित करने के सामूहिक संकल्प के साथ किया गया। अध्यक्षता सपन बास्की व संचालन चंडे वास्की नायके बाबा ने किया। मौके पर बासुदेव बास्की, बोदीलाल हांसदा, सुनील हांसदा, चांद मरांडी, परमेश्वर किस्कू, बाबू किस्कू, मथल मुर्मू, विकास मुर्मू, जितेन मरांडी, निशापति मुर्मू, बदन दास, समर साव व अन्य थे।

माले ने विधायक को धमकी दिये जाने के विरोध में मनाया प्रतीवाद दिवस, सौपा ज्ञापन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : विधायक अरूप चटर्जी को मिली धमकी के विरोध में भाकपा (माले) का राज्यव्यापी प्रतिवाद कार्यक्रम के तहत मंगलवार को कुमारधुबी चौक पर नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया।नुक्कड़ सभा के बाद पार्टी कार्यकताओं ने विधायक अरूप चटर्जी को गैंगस्टर प्रिंस खान द्वारा कथित रूप से दी गई जान से मारने की धमकी के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मामले की निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। मौके पर श्रीकांत सिंह, संतु चटर्जी, नागेंद्र कुमार, प्रदीप सुमन, अमरेश चक्रवर्ती, कल्याण राय, मुन्ना यादव, बिजेंद्र सिंह, लक्ष्मण प्रसाद, रामनारायण मेहता, भोला महतो, देवाशीष कांजीलाल, दीनानाथ रविदास, सोनू मिश्रा, संतोषी बोस सहित यह मौजूद थे।

एसएसपी ने तीन थाना प्रभारियों का किया तबादला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : जिले में पुलिस प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार ने मंगलवार को तीन थाना प्रभारियों का तबादला कर दिया।इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर सभी अधिकारियों को तत्काल नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है।जारी आदेश के अनुसार, झरिया थाना में पदस्थापित जेएसआई बिट्टू कुमार को पाथरडीह थाना का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं, पाथरडीह थाना प्रभारी अंशु झा को पुलिस लाइन भेज दिया गया है।इसके अलावा, बैंक मोड़ थाना में पदस्थापित अभय कुमार को बरोरा थाना का थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं, बरोरा थाना प्रभारी साधन कुमार का तबादला सोनारडीह थाना में थाना प्रभारी के पद पर किया गया है।दूसरी ओर, सोनारडीह थाना प्रभारी दिलीप पाल को पुलिस लाइन भेज दिया गया है।एसएसपी कार्यालय से जारी आदेश में सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने-अपने नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने का निर्देश दिया गया है।

डीवीसी विद्युत उत्पादन का संस्थान नहीं,बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त माध्यमः आनन्द मोहन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : डीवीसी के 79वें स्थापना दिवस पर मैथन परियोजना में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ शहीद स्मारक टोल गेट संख्या-2 पर राष्ट्र के अमर वीरों को मुख्य महाप्रबंधक कोल समन्वय आनन्द मोहन प्रसाद, वरिष्ठ महाप्रबंधक सीटीसी एवं संरक्षा शैलेश गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।साथ ही रन फॉर डीवीसी का शुभारंभ मशाल प्रज्वलित कर किया गया।मशाल धावक पारमिता एवं संदीप को सौंपी गई।दोनों धावकों ने उत्साहपूर्वक मशाल लेकर दौड़ का नेतृत्व किया जो प्रशासनिक भवन से रामानुज भवन व गोस्वामी भवन के समक्ष पार्क तक पहुंची। वहां मशाल स्थापित कर डीवीसी के उज्ज्वल भविष्य, संगठनात्मक एकता व राष्ट्र सेवा के संकल्प को दोहराया गया।इस दौरान अधिकारियों द्वारा डीवीसी का ध्वज फहराया गया। अधिकारियों, कर्मचारियों व प्रतिभागियों ने संगठन की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।अपने संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक कोल समन्वय श्री प्रसाद ने कहा कि दामोदर घाटी निगम केवल विद्युत उत्पादन का संस्थान नहीं है बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त माध्यम है।पिछले 79 वर्षों में डीवीसी ने ऊर्जा, जल संसाधन प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई तथा सामाजिक विकास के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है।यह गौरवशाली विरासत हम सभी के समर्पण, अनुशासन और टीम भावना का परिणाम है। हमें सुरक्षित कार्य संस्कृति, नवाचार, गुणवत्ता व उत्कृष्ट सेवा के माध्यम से डीवीसी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का सतत प्रयास करना चाहिए। वहीं वरिष्ठ महाप्रबंधक सीटीसी एवं संरक्षा ने कहा कि डीवीसी की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित अधिकारी एवं कर्मचारी हैं।सुरक्षा, गुणवत्ता, कार्यकुशलता और सामूहिक सहयोग हमारी कार्य संस्कृति की पहचान है।स्थापना दिवस हमें संगठन के गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर भविष्य की चुनौतियों का सामना नवाचार, प्रतिबद्धता और सकारात्मक सोच के साथ करने का संदेश देता है।स्थापना दिवस पर कल्याण केंद्र में रंगा रंग कार्यक्रम आयोजित की गयी।कार्यक्रमें में अधिकारी, कर्मचारी, चिकित्सक टीम, शिक्षकगण, सीएसआर ग्रामों की महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्य व स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। मौके पर डॉ उमेश कुमार,सोनाली प्रसाद, धर्मदास त्रिपाठी,रबिन मंडल, सुधीर कुमार, सुखमय नायक, धीरज कुमार, श्रोतारुण कुमार, चंदन कुमार, संजीव कुमार, डॉ कौशलेंद्र कुमार, उदय आर्या, पार्थ दास, रवि कुमार सिन्हा सहित अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक, विद्यार्थी व अन्य उपस्थित थे।

8.52 लाख ईएफ वितरित व 1.027 का डिजिटाइजेशन पूरा

धनबाद। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर 2026) के लिए धनबाद जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को ईएफ वितरण का कार्य जारी है। ईएफ वितरण के साथ उसका डिजिटाइजेशन भी जारी है। इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि अब तक 8 लाख 52 हजार 251 मतदाताओं को ईएफ वितरित किया जा चुका है। जबकि एक लाख 02 हजार 790 ईएफ का डिजिटाइजेशन पूरा कर लिया गया है। विधानसभा वार जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि टुंडी विधानसभा में 1,65,985, सिंदरी में 1,74,980, निरसा में 1,59,618, बाघमारा में 1,15,108, झरिया में 1,01,325 तथा धनबाद विधानसभा में 1,35,235 सहित 852251 ईएफ का वितरण किया गया है।

बंद पड़ी धनबाद - बोकारो सड़क की केंदुआडीह में होगी खुदाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद :केन्दुआडीह भू-धंसान एवं गैस रिसाव की रोकथाम व बचाव के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की मंगलवार को बैठक हुई। बैठक में धनबाद-बोकारो मुख्य सड़क को फिर से चालू करने के उपायों पर चर्चा हुई। तय हुआ कि सड़क के नीचे गहराई तक खुदाई करा कर वास्तविक स्थिति की जानकारी ली जाय। तकनीकी रूप से पता किया जाएगा कि सड़क सुरक्षित है या नहीं। खुदाई के लिए एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) बनाया जाय। इसके लिए बीसीसीएल को 10 जुलाई तक का समय दिया गया। बैठक की अध्यक्षता डीसी आदित्य रंजन ने की। मौके पर एसएसपी प्रभात कुमार और सांसद विधायक भी मौजूद थे। डीसी ने स्पष्ट किया कि खुदाई के दौरान पूरे प्रभावित क्षेत्र के निवासियों को राहत शिविरों में शिफ्ट किया जाएगा। कार्यक्षेत्र को सुरक्षा घेरे (कॉर्डन) में लेकर

ही काम शुरू होगा। इस दौरान रेस्क्यू टीम, खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस), आईआईटी (आईएसएम), केन्द्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान (सिम्फर) की तकनीकी टीम सहित सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएंगे। खुदाई के बाद, टेक्निकल रिपोर्ट आने के बाद निर्णय लिया जाएगा कि बंद सड़क को चालू करना सुरक्षित है या जोखिम भरा है। बैठक में धनबाद के माननीय सांसद ढुलू महतो ने कहा कि 6- 7 महीने से धनबाद-बोकारो सड़क बंद है। जिसके कारण बड़ी आबदी प्रभावित हो रही है। भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड को इसे चालू करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि बीसीसीएल ने बस्ताकोला, अलकुसा, केंदुआ सहित अन्य क्षेत्रों में कई धंसी सड़कों की मरम्मत कर उसे पुनः चालू किया है। इसलिए इस सड़क को चालू करने का प्रयास करना चाहिए। निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने भी क्षतिग्रस्त सड़क के नीचे गहरी खुदाई कर हकीकत से अवगत होने का मंतव्य दिया। झरिया विधायक रागिनी सिंह, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने भी धनबाद- बोकारो सड़क को महत्वपूर्ण सड़क बताते हुए, सभी जांच पूरी कर, सड़क को चालू करने की बात कही। बैठक में ऑनलाइन जुड़े भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार अग्रवाल ने जनप्रतिनिधियों के सुझावों का समर्थन करते हुए कहा कि बीसीसीएल का भी मानना है कि सुरक्षित रूप से सड़क को चालू करना है। उन्होंने कहा कि डीसी के निदेर्शानुसार इसकी एसओपी बनाकर और सारी तैयारियां पूरी कर शीघ्र कार्य शुरू किया जाएगा। बैठक में डीजीएमएस, आईआईटी आईएसएम, सिम्फर के विशेषज्ञों ने खुदाई कार्य के तकनीकी पहलुओं पर अपने-अपने मंतव्य रखें। साथ में स्थानीय पार्षद एवं केंदुआ के रैयतों ने भी अपने सुझाव रखें। बैठक के समापन से पहले डीसी ने राजपूत बस्ती के रैयतों को उनके आवेदन लैंड सेल में जमा करने को कहा। साथ-साथ करमाटांड में रहने वालों का विशेष सर्वे करने का भी निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि बीसीसीएल द्वारा जिले की कोई भी सरकारी सड़क, खंभे या पाइपलाइन के पास कार्य करने से पहले प्रशासन से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना होगा। यदि ऐसा नहीं किया और उसे क्षतिग्रस्त किया तब बीसीसीएल के संबंधित एरिया के महाप्रबंधक पर प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। बैठक में अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारगे, अपर समाहर्ता प्रदीप कुमार शुक्ला, बीसीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, पथ प्रमंडल, एनएचएआई, पुटकी व बाघमारा के अंचल अधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय कुमार झा, आईटी मैनेजर रूपेश कुमार मिश्रा के अलावा अन्य विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे।

कतरास छाताबाद में भू - धंसान से आधा दर्जन घर जमींदोज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : बीसीसीएल एरिया 3 के कतरास छाताबाद भंडारीडीह फुटबॉल ग्राउंड में मंगलवार सुबह भू - धंसान की घटना से क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। सुबह आठ बजे के करीब बजे यह हादसा हुआ। जोरदार आवाज के साथ हुए भीषण भू - धंसान से पूरा इलाका दहल उठा। भू - धंसान के कारण फुटबॉल ग्राउंड के पास स्थित बड़े तालाब का एक हिस्सा देखते ही देखते पाताल लोक में समा गया और तालाब का लाखों लीटर पानी पल भर में भूमिगत हो गया। इस तबाही की जद में कई घर जमींदोज हो गए, जबकि दर्जनों मकानों में दरारें आ गई हैं। लोग घरों से निकल आए। इस अचानक हुई घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों ने रोड जाम कर दिया। भू-धंसान की चपेट में आने से जुबेर अंसारी, सदाम अंसारी, डब्लू अंसारी और जियाउल अंसारी समेत कई परिवारों के घर पूरी तरह तबाह हो गए। कुछ लोग तो समय रहते

अपने घरों से जरूरी सामान निकाल कर भागने में सफल रहे, लेकिन कई परिवारों का सामान मलबे और दरारों के बीच फंस गया। बाद में मौके पर पहुंची धनसार से बीसीसीएल की रेस्क्यू टीम ने तत्परता दिखाते हुए प्रभावित परिवारों के सामान को सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। घटना इतना जबरदस्त था कि फुटबॉल ग्राउंड के बगल वाले तालाब का पूरा पानी भू धंसान से बने गहरे खाई के रास्ते पाताल लोक में समा गया, जिसे देखकर स्थानीय लोग सहम गए। घटना की जानकारी मिलते ही कतरास सर्किल इंस्पेक्टर, कतरास थाना प्रभारी, अंगारपथरा ओपी प्रभारी और तेतुलमारी थाना प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने आनन-फानन में डेंजर जोन की घेराबंदी (बैरीकेडिंग) कर दी है और लोगों को अविलंब सुरक्षित स्थानों पर जाने की हिदायत दी है। इस हादसे के बाद बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। स्थानीय समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों और पार्षदों के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में आक्रोशित लोगों ने कतरास-भट्टमुड़ना मुख्य मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारियों ने बीसीसीएल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रभावित परिवारों को तुरंत उचित मुआवजा, बेघर हुए लोगों के लिए तत्काल सुरक्षित पुनर्वास देने का मांग किया। प्रदर्शन कर रहे स्थानीय नेताओं और ग्रामीणों का साफ कहना है कि इस पूरे इलाके में लंबे समय से बीसीसीएल की नाक के नीचे अवैध खनन का खेल चल रहा है। खोखली हो चुकी जमीन के कारण पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन बीसीसीएल प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन ने कभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इसी लापरवाही का नतीजा आज भंडारीडीह के निर्दोष परिवारों को भुगतना पड़ रहा है। सड़क जाम होने के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं और समाचार लिखे जाने तक प्रदर्शनकारियों ने रोड को जाम रखा।

जनता दरबार में डीसी ने सुनीं आमजनों की समस्या

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : डीसी आदित्य रंजन ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आम जनों की समस्याएं सुनीं और समस्या समाधान के निर्देश भी दिए। जनता दरबार में जाति प्रमाण पत्र, मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत सहायता, बकाया वेतन भुगतान, दाखिल-खारिज, अतिक्रमित भूमि, जन्म प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध रूप से नाली निर्माण, पेंशन, छात्रवृत्ति, बैंक खाते से अवैध निकासी, घरेलू विवाद सहित विभिन्न मामलों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनता दरबार में धनबाद, बाघमारा, पुटकी, भूली, झरिया, गोविंदपुर, तोपचांची, बरवाअड्डा, कतरास, हीरापुर, बलियापुर, केन्दुआडीह, धनसार समेत कई अन्य जगह से आमजन पहुंचे थे। डीसी ने आमजनों के आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रत्येक मामले की जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

छाताबाद सड़क किनारे खड़े तीन टोटो से बैट्री की चोरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : छाताबाद कैलूडीह मेन रोड किनारे खड़े तीन टोटो की बैट्री चोरी कर ली। भुक्तभोगी आनंदी यादव ने बताया कि घटना की प्राथमिक सूचना स्थानीय वार्ड संख्या 2 के पार्षद मोहम्मद शहाबुद्दीन और कतरास पुलिस को दे दी गई है

आउटसोर्सिंग कंपनियों में स्थानीय को नियोजन के लिए धरना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : बीसीसीएल पीबी एरिया की आउटसोर्सिंग कंपनियों में स्थानीय युवाओं को नियोजन सहित 11 सूत्री मांगों के समर्थन में अरलगड़िया पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सदस्य रूपेश पासवान मंगलवार से पीबी क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ गए। धरना शुरू होने से पहले समर्थकों ने कार्यालय गेट के समक्ष प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना के माध्यम से मांग की गई कि पीबी एरिया में संचालित सभी आउटसोर्सिंग कंपनियों में झारखंड नियोजन नीति के तहत स्थानीय युवाओं का 75 प्रतिशत नियोजन सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा आउटसोर्सिंग कंपनियों में कार्यरत मजदूरों को कोयला मंत्रालय की हाई पावर कमेटी (एचपीसी) की अनुशंसा के अनुरूप वेतन एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। रूपेश पासवान ने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन और आउटसोर्सिंग कंपनियां स्थानीय युवाओं की लगातार अनदेखी कर रही हैं। रोजगार में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता नहीं मिलने से युवाओं में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने खनन प्रभावित क्षेत्रों में नियमित पानी का छिड़काव कर प्रदूषण पर नियंत्रण, परियोजना क्षेत्र की घेराबंदी, सीएसआर मद से प्रभावित गांवों में शौचालय, सामुदायिक भवन, चबूतरा, विश्राम गृह तथा स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था कराने की भी मांग उठाई। धरना में हीरो पासवान, सुमित पासवान, रोहित दास, झंटू बाउरी, शंभू पासवान, विवेक कुमार, आदित्य पासवान, मुन्ना प्रजापति, आयुष कुमार, अमन कुमार, अनुज कुमार, आशीष भूइया, निशांत कुमार, सोनू सिंह, मुकेश ठाकुर, अमित कुमार पासवान, अनिल गुप्ता, अंश कुमार, ममता देवी, गणेश दास समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

सशस्त्र अपराधियों ने इसीएल के कोलियरी एवं बंद वर्कशॉप में मचाया तांडव, बमबाजी कर सुरक्षा कर्मियों को किया गंभीर रूप से घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : इसीएल मुगमा क्षेत्र अंतर्गत हड़ियाजाम कोलियरी के 27 नंबर इंक्लाईन में सोमवार की देर रात सशस्त्र अपराधियों एवं इसीएल सुरक्षा कर्मियों के बीच 4 से 5 राउंड हवाई फायरिंग हुई।अपराधियों ने जाते-जाते एक बम चला दिया जो एरिया सिक्योरिटी गार्ड सुजीत मंडल के पैर में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया।मात्र एक दिन पहले रविवार की रात भी अपराधियों ने इसी कोलियरी में धावा बोल दिया था।इसकी सूचना सुरक्षा कर्मियों ने निरसा पुलिस को दिया था। पुलिस के पहुंचते ही अपराधी भाग खड़े हुए. लेकिन ठीक एक दिन बाद अपराधियों ने घटना को अंजाम दे दिया।जानकारी के अनुसार सोमवार देर रात्रि करीब 12 बजे केबल लुटेरों ने हड़ियाजाम कोलियरी के 27 नंबर इंक्लाइन में धाबा बोल दिया। सिक्योरिटी में तैनात गार्ड को जब लुटेरों की भनक लगी तो, फौरन एरिया सिक्योरिटी को सूचना दी गई।एरिया सिक्योरिटी व निरसा पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। लुटेरों को पकड़ने की कोशिश की गई।परंतु अपराधियों ने लगभग 60 फुट केबल काटकर भाग गए।प्रशासन द्वारा अपराधियों पर फायरिंग की गई।जिससे डर कर अपराधी केबल छोड़कर भाग गए।प्रशासन व कोलियरी में कार्यरत कर्मियों द्वारा 60 फुट केबल रिकवरी कर ली गई।इसके डेढ़ घंटा बाद लगभग 2 बजे अपराधियों ने पुनः दोबारा 27 नंबर में ही धावा बोल दिया। अपराधियों ने वहां पर तैनात गार्ड जीत भंडारी के साथ मारपीट कर उसे भगा दिया और केबल काटने लगे।किसी प्रकार एरिया सिक्योरिटी को फिर सूचना मिली। एरिया सिक्योरिटी और निरसा पुलिस दोबारा वहां पर पहुंची। इस बीच अपराधियों ने दो राउंड फायरिंग किया। जिसके जवाब में एरिया सिक्योरिटी व निरसा पुलिस ने भी फायरिंग करना शुरू कर दिया। प्रशासन की ओर से दो-तीन बार फायरिंग करने के बाद अपराधी दहशत फैलाने के लिए बम फेंक दिया, जो सुरक्षा प्रहरी सुजीत मंडल के पैर में लग गया।इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रबंधन व यूनियन प्रतिनिधि द्वारा तत्काल उन्हें हेड क्वार्टर सकतोडिया अस्पताल

में भर्ती कराया गया।इस संबंध में कोलियरी के प्रबंधक आनंद मोर्य ने कहा कि अपराधियों द्वारा लगभग 20 से 25 मी केबल ले गए हैं जो बेकार पड़ा हुआ था। घटना की लिखित शिकायत पुलिस से की गई है।इधर मंगलवार की सुबह सूचना पाकर मजदूरों ने कोलियरी का उत्पादन बंद कर दिया। उनका कहना था कि हम लोग अब कोलियरी में द्वितीय एवं तृतीय पाली में काम नहीं करेंगे जब तक प्रबंधन की ओर से सुरक्षा को लेकर कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किया जाता है, तबतक मजदूर दोनो पाली में काम पर नहीं जाएंगे।

मजदूरों के समर्थन में बिहार कोलियरी कामगार यूनियन, जनता मजदूर संघ, झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन ने भी समर्थन किया है।इस संबंध में हड़िजाम कोलियरी प्रबंधन द्वारा मुगमा क्षेत्रीय कार्यालय में जीएम, एजीएम, एपीएम सहित अन्य आला अधिकारियों को मजदूरों की मांग व कोलियरी बंदी का सूचना दिया गया है। कुछ वर्ष पूर्व हरियाजाम कोलियरी के कुहूका गांव स्थित भीटी पंप में अपराधियों ने जमकर तांडव मचाया था।वहां तैनात स्थानीय एक इसीएल कर्मी की मौत बमबाजी से हो गई थी। इधर इस घटना को लेकर लोगों का कहना था कि आसपास के गांव के कुछ अपराधी किस्म के युवकों का इस क्षेत्र में घूमने लोकल लिंक से जुड़ा हुआ विषय बताया जा रहा है।इधर इसीएल मुगमा क्षेत्र के अंतर्गत बंद बराकर इंजीनियरिंग वर्कशॉप में बीती रात अपराधियों ने चार दिवारी तोड़कर पीतल के पार्ट्स एवं केबल लूटकर भाग गए। जानकारी के अनुसार 20 से 25 की संख्या में अपराधियों ने वर्कशॉप के चार दिवारी में सेंध मार कर अंदर घुस गए। उन लोगों ने बिजली विभाग के डीजी रूम में पड़ा हुआ लगभग 15 से 20 फुट केबल तथा स्टोर रूम का दीवार काटकर वहां रखे कुछ पीतल के पार्ट्स लेकर भाग गए।वर्कशॉप बंद होने के चलते यह अनुमान लगाना की कितने की चोरी हुई है पता नहीं चल सका। संभवत सूत्रों की माने तो लाखों रुपए का पीतल का सामान व केबल कि चोरी हुई है।

08-07-2026 T.P. Page 4_Layout 1 08-07-2026 06:47 Page 1

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत लाभुकों के बीच बत्तख चूजों का हुआ वितरण

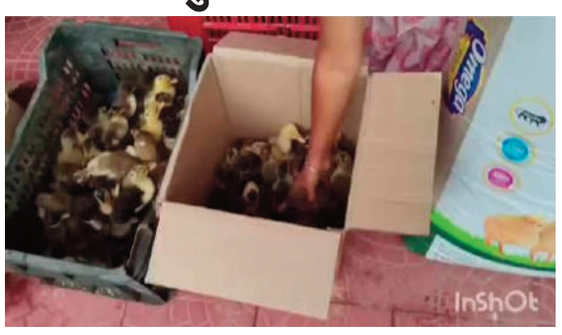

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत मंगलवार को चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित पशुपालन विभाग में बत्तख चूजा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य मीना जोंको एवं पशु चिकित्सक डॉ वसीम सिद्दीकी ने संयुक्त रूप से लाभुकों के बीच बत्तख चूजों का वितरण किया।कार्यक्रम के दौरान कुल 12 लाभुकों को बत्तख चूजे प्रदान किए गए।इस अवसर पर पशु चिकित्सक डॉ वसीम सिद्दीकी ने बताया कि जिला स्तर से 25 लाभुकों के बीच बत्तख चूजों का वितरण करने का निर्देश प्राप्त हुआ था। हालांकि वितरण के समय केवल 12 लाभुक ही उपस्थित हो सके, जिनके बीच चूजों का वितरण कर दिया गया। शेष लाभुकों को भी नियमानुसार चूजे उपलब्ध कराए जाएंगे। डॉ सिद्दीकी ने लाभुकों को बत्तख पालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए चूजों की देखभाल, उचित आहार, स्वच्छता, बीमारी से बचाव तथा पालन-पोषण की वैज्ञानिक विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने कहा कि योजनाबद्ध तरीके से बत्तख पालन कर ग्रामीण अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं और आत्मनिर्भर बन सकते हैं। जिला परिषद सदस्य मीना जोंको ने कहा कि राज्य सरकार की यह योजना ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने लाभुकों से योजना का पूरा लाभ उठाने और पशुपालन को रोजगार के रूप में विकसित करने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान पशुपालन विभाग के कर्मियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं लाभुक उपस्थित थे।योजना के तहत बत्तख चूजों के वितरण से लाभुकों में उत्साह देखा गया।

बोकारो पुलिस ने जून माह में 129 अपराधियों को पहुंचाया जेल, 43 वारंटियों की हुई गिरफ्तारी:एसपी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : अपराध नियंत्रण व विधि व्यवस्था दुरूस्त रखने के लिए बोकारो पुलिस लगातार अभियान चल रही है। अभियान के तहत जून माह में 129 अभियुक्तों की गिरफ्तारी कर जेल भेजा गया है।इसके अलावे बोकारो पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता रखने के लिए लगातार एंटी क्राइम चेकिंग, पेट्रोलिंग व छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।यह जानकारी एसपी नाथू सिंह मीणा ने मंगलवार को कैंप दो स्थित एसपी कार्यालय में पत्रकारों को दी।मौके पर मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार व सिटी डीएसपी राजीव रंजन मौजूद थे।श्री मीणा ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में अवैध शराब के मामले में 10, पोक्सो के मामले में नौ, अवैध कोयला व बालू तस्करी मामले में आठ, अवैध हथियार के मामले में तीन, छिनतई व छपट्टामार मामले में छह, चोरी के मामले में आठ, अपहरण के मामले में दो, साइबर ठगी के मामले में दो, रंगदारी मांगने के मामले में एक, हत्या के मामले में एक, एससी-एसटी उत्पीडन मामले में दो, बलवा व दंगा के मामले में एक, संगठित अपराध के मामले में एक, अवैध गाजा व अफिम के मामले में एक, अन्य मामले में 31 व न्यायालय द्वारा प्रांप्त वारंट के मामले में 43 अभियुक्तों को जेल भेजा गया है।इसके अलावे प्रतिदिन रात को वारंटियों के खिलाफ अभियान चल रहा है।

दो दिनों से सेप्टी टैंक में फंसे बैल का सफल रेस्क्यू, स्थानीय युवाओं ने बचाई जान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : बड़ाजामदा के भट्ठी साईं स्थित लाल बिल्डिंग के सामने एक गहरे सेप्टी टैंक में गिरा बैल करीब दो दिनों से फंसा हुआ था।इसकी जानकारी मिलते ही पूर्व मुखिया राजा तिर्की ने बजरंग दल के व्हाट्सएप ग्रुप में इसकी सूचना साझा की, जिसके बाद स्थानीय लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान शुरू किया।बैल को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए जेसीबी मशीन मंगाई गई।काफी देर तक चले कड़े प्रयास और मशक्कत के बाद बैल को सकुशल सेप्टी टैंक से बाहर निकाल लिया गया।बाहर निकलते ही बैल सुरक्षित स्थान की ओर चला गया, जिससे मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।इस रेस्क्यू अभियान में पूर्व मुखिया राजा तिर्की, राजा, कुना, राजेश, शशिकांत, राजा चौरसिया, बंटी और बबलू सहित कई स्थानीय लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई। स्थानीय लोगों ने सभी रेस्क्यू टीम के सदस्यों की सराहना करते हुए उनके मानवीय प्रयास की प्रशंसा की।इस सफल अभियान से क्षेत्र में खुशी का माहौल रहा।

दुबई के प्रसिद्ध लुलु रिटेल स्टोर में पहुंचा देवघर का आम्रपाली आम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : देवघर जिले के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। पहली बार जिले में उत्पादित एक टन आम्रपाली आम की खेप दुबई के प्रतिष्ठित लुलु रिटेल स्टोर तक पहुंची है, जहां यह बिक्री के लिए उपलब्ध हो गयी है। यह निर्यात मोहनपुर आजीविका महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीओ) से जुड़ी महिला किसानों द्वारा उत्पादित आमों का एपीइडीए के सहयोग से किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की गुणवत्ता, आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आमों की ग्रेडिंग, पैकिंग और विशेष पैकेजिंग की गयी, ताकि दुबई पहुंचने तक इसकी ताजगी और स्वाद बरकरार रहे। देवघर के किसी कृषि उत्पाद की यह पहली सीधी अंतरराष्ट्रीय खेप है, जिससे जिले के आमों को वैश्विक पहचान मिली है।डीसी सौरभ कुमार भुवानिया ने कहा कि लुलु रिटेल स्टोर जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच तक देवघर के आमों का पहुंचना जिले के किसानों, विशेषकर महिला किसानों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण के साथ-साथ स्थानीय कृषि उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार के नये अवसर खोलेगी।भविष्य में जिले के अन्य कृषि उत्पादों को भी अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की दिशा में प्रयास किया जायेगा।

रथयात्रा के उदघाटन समारोह में शामिल होंगे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, सोलह से पच्चीस तक चलेगा मेला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को आगामी रथ यात्रा महोत्सव में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। महोत्सव की तैयारियों तथा स्थानीय जनभावनाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।रथ यात्रा महोत्सव का शुभारंभ 16 जुलाई से होगा।उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि वे उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होकर महोत्सव की गरिमा बढ़ायें।इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष एनएन पांडे, प्रथम सेवक (सेवायत) ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव, सचिव प्रसन्न कुमार, सदस्य गोपाल उपाध्याय, नीतू देवी, कमल ठाकुर और सहयोगी अमरदीप कौशल शामिल थे।

रांची में हुई विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा बैठक,मतदाता सूची पुनरीक्षण के दस्तावेज स्थायी रूप से सुरक्षित रहेंगे : सीईओ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रविकुमार ने कहा है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान जमा होने वाले सभी एन्यूमरेशन फॉर्म और संबंधित दस्तावेजों को स्थायी दस्तावेज के रूप में सुरक्षित रखा जायेगा। इसके लिए सभी जिलों में दस्तावेजों का डिजिटाइजेशन करने के साथ उनके भौतिक संरक्षण की भी समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (इआरओ), सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (एइआरओ) और उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतदाता एन्यूमरेशन फॉर्म भरते समय वर्तमान की सभी जानकारियां सही-सही दर्ज करायें।यदि किसी अन्य दस्तावेज में कोई त्रुटि है तो केवल मिलान के उद्देश्य से मतदाता पहचान पत्र में गलत जानकारी नहीं भरी जाये।वहीं, मैपिंग वाले कॉलम में वही विवरण दर्ज किया जाये, जो पिछले विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची में दर्ज है।के रवि कुमार ने बताया कि बीएलओ घर-घर जाकर दो प्रतियों में एन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा रहे हैं।फॉर्म के ऊपरी हिस्से में संबंधित बीएलओ का नाम और मोबाइल नंबर अंकित है, जिससे मतदाता आवश्यकता पड़ने पर सीधे उनसे संपर्क कर सके।फॉर्म में मतदाता का नाम, इपीआइसी नंबर, पता, भाग संख्या, विधानसभा क्षेत्र, राज्य, यूनिक क्यूआर कोड और पुरानी फोटो पहले से मुद्रित है।इसके साथ मतदाता को नयी रंगीन पासपोर्ट आकार की फोटो चिपकानी होगी। बीएलओ, बीएलओ ऐप के माध्यम से भी फोटो अपलोड कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि फॉर्म के दूसरे भाग में जन्म तिथि के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार पिछले

एसआइआर की मतदाता सूची से हूबहू विवरण भरना है।एक जुलाई 1987 से पहले जन्मे मतदाताओं को केवल अपना पुराना विवरण दर्ज करना होगा। एक जुलाई 1987 से दो दिसंबर 2004 के बीच जन्मे मतदाताओं को माता या पिता में से किसी एक का पुराना विवरण देना होगा। वहीं, दो दिसंबर 2004 के बाद जन्मे मतदाताओं को माता और पिता दोनों का विवरण दर्ज करना होगा।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि फॉर्म के तीसरे भाग में वर्तमान की व्यक्तिगत जानकारियां, जैसे जन्म तिथि, मोबाइल नंबर, आधार संख्या (वैकल्पिक), माता-पिता अथवा पति-पत्नी का विवरण सही-सही भरना अनिवार्य है।चौथे भाग में मतदाता को यह घोषणा करनी होगी कि उसने किसी अन्य देश की नागरिकता ग्रहण नहीं की है।उसका नाम किसी अन्य विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है तथा दी गई सभी जानकारियां सत्य हैं।इसके बाद मतदाता या परिवार का कोई वयस्क सदस्य हस्ताक्षर करेगा।उन्होंने स्पष्ट किया कि एन्यूमरेशन फॉर्म के साथ किसी भी प्रकार का दस्तावेज संलग्न नहीं करना है।यह प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिये है।लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत किसी विदेशी नागरिक द्वारा गलत जानकारी देना या अवैध रूप से फॉर्म भरना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (इआरओ) सीधे प्राथमिकी दर्ज करेंगे।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिलों को निर्देश दिया कि 14 जुलाई को बीएलओ और बीएलए-2 की संयुक्त बैठक कर चुनाव पाठशाला आयोजित करें।इसमें एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ, डुप्लीकेट और रिफ्यूज टू साइन (गैर भारतीय) श्रेणी के मतदाताओं की सूची का मिलान कराया जाये। साथ ही भरे हुए फॉर्म शीघ्र प्राप्त कर उनके डिजिटाइजेशन में तेजी लायी जाये।समीक्षा बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, राज्य प्रशिक्षण नोडल पदाधिकारी देवदास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित सभी जिलों के निर्वाचन पदाधिकारी मौजूद थे।

आंदोलरत ग्रामीणों के साथ नहीं हुई त्रिपक्षीय वार्ता, आंदोलन जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के मनोहरपुर प्रखंड के सेल चिड़िया अंतर्गत दुबिल माइंस में रोजगार समेत चार सूत्री मांगो को लेकर आंदोलन कर रहे ग्रामीण व सेल ठेकेदार के बीच होने वाला वार्ता मंगलवार को नहीं हो पाया।ग्रामीण धरना स्थल पर ही वार्ता को लेकर अड़े रहे।जबकि सांसद जोबा माझी मनोहरपुर विधायक जगत माझी, समेत सेल के अधिकारी व ठेकेदार काफी देर सेल गेस्ट हाउस में वार्ता को लेकर ग्रामीणों का इंतजार करते रहे।सांसद जोबा माझी ने ग्रामीणों से दूरभाष में बात कर उन्हें वार्ता के लिए चिड़िया आर्मंत्रित किया, परंतु ग्रामीण जाम स्थल पर ही वार्ता को अड़े रहे। धरना स्थल पर पंहुचे सांसद,विधायक,नहीं बनी बात आंदोलन कर रहे ग्रामीण चिड़िया में वार्ता के लिए नहीं आने के कारण सांसद जोबा माझी, मनोहरपुर विधायक जगत माझी मंगलवार की देर शाम करीब साढ़े पांच बजे ग्रामीणों से मिलने धरना स्थल पहुंचे।जहां ग्रामीणों ने सांसद जोबा माझी व विधायक जगत माझी समेत अधिकारियो से स्पष्ट शब्दों में में कहा कि जो भी वार्ता होगा वो धरना स्थल पर ही होगा। इसके बाद सांसद जोबा माझी ने ग्रामीणों से कहा की पानी, मुआवजा, आदि जो भी मांगे है वो

जरूर पुरा होगा।जबकि नौकरी को लेकर जो मांगे की जा रही है, उसे लेकर सेल के उच्च अधिकारियो से बात की गई है, पर इस पर पूरी तरह सहमति नहीं बन सकी है। इसीलिए ग्रामीणों को वार्ता के लिए चिड़िया बुलाया गया था।उन्होंने कहा कि ग्रामीण जो भी मांग कर रहे है वे उनके समर्थन में है।वहीं धरना दे रहे ग्रामीणों ने कहा की 200 लोगो को रोजगार देने की जो मांग है जबतक वो पूरी नहीं होंगी तबतक उनका आंदोलन जारी रहेगा। सांसद विधायक ने समझाने का किया सांसद जोबा माझी व विधायक जगत माझी करीब एक घंटा तक धरना स्थल पर मौजूद रहे।चिड़िया में त्रिपक्षीय वार्ता करने को लेकर ग्रामीणों को काफी समझाने का प्रयास किया,पर ग्रामीणों ने दो टूक शब्दों में कहा सेल जबतक उनकी मांगे नहीं मानेगी उनका आंदोलन जारी रहेगा।वहीं ग्रामीणों ने कहा कि जो भी बात होगा वो सार्वजनिक रूप से धरना स्थल पर ही होगी। सेल चिड़िया के सीजीएम चंद्र भूषण कुमार, संबंधित ठेकेदार, प्रखंड विकास पदाधिकारी शक्ति कुंज, अंचल अधिकारी प्रदीप कुमार को बुलाया गया था।मौके पर डीएसपी डेविड ए डोडराय, चिड़िया ओपी प्रभारी वाहिद अंसारी सहित प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी भी मौजूद रहे।सेल के अधिकारी वार्ता कर जल्द निकाले।सांसद सांसद जोबा माझी ने पत्रकारों ने कहा कि ग्रामीणों की रोजगार संबंधी मांग को लेकर सेल के अधिकारियो से वार्ता की गई है।सेल के उच्च अधिकारियो को निर्देश दिया गया है कि वे जल्द से जल्द ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्या का समाधान करे।इधर दूसरी तरफ काम से बैठा दिये मजदूरों ने जोबा माझी से सेल गेस्ट में मिले और अपनी व्यथा सुनाई और हर हाल में काम चालू कराने का निवेदन किया।

धोनी के जन्मदिन पर चक्रधरपुर में महा रक्तदान शिविर, 175 यूनिट रक्त संग्रह

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : देश के महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के जन्मदिन के अवसर पर मंगलवार को श्री शिरडी साईं भक्त मंडल, चक्रधरपुर की ओर से 27वें महा रक्तदान शिविर का आयोजन कम्युनिटी हॉल (कल्याण मंडप) में किया गया। शिविर में जमशेदपुर ब्लड सेंटर की टीम ने कुल 175 यूनिट रक्त संग्रह किया। कार्यक्रम का आयोजन धोनी फैंस क्लब, चक्रधरपुर के सहयोग से संपन्न हुआ।शिविर का उद्घाटन अतिथियों ने साईं बाबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए अधिक से अधिक लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की।

इस अवसर पर चक्रधरपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) तरुण हुरिया, झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष केडी साह, भाजपा नेता डॉ. विजय सिंह गागराई, आनंद दोदराजका, अनवर खान, अनूप दुबे, आर. श्रीकांत राव उर्फ डिक्की, गणेश पाड़िया, सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।रक्तदान शिविर में युवाओं के साथ-साथ महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वेच्छा से रक्तदान किया। वहीं धोनी फैंस क्लब के सदस्यों ने आर श्रीकांत राव उर्फ डिक्की के नेतृत्व में महेंद्र सिंह धोनी के जन्मदिन का केक काटकर उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की।

आयोजन समिति ने रक्तदाताओं को सम्मान स्वरुप हेलमेट भेंट किया। इसके माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरुक करते हुए दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रुप से उपयोग करने का संदेश दिया गया। समिति ने कहा कि रक्तदान जहां किसी का जीवन बचाने का माध्यम है, वहीं हेलमेट स्वयं के जीवन की सुरक्षा का सबसे प्रभावी साधन है। कार्यक्रम में लोगों से अपने परिवार और स्वयं की सुरक्षा के लिए हमेशा हेलमेट पहनने की अपील भी की गई।

सिविल सर्जन ने किया निरीक्षण, भवन को लैब के अनुरूप विकसित करने का दिया निर्देश,

अनुमंडल अस्पताल में जल्द शुरू होगी सेंट्रलाइज्ड लैब

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में मरीजों को बेहतर जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। अस्पताल परिसर में जल्द ही सेंट्रलाइज्ड लैब की स्थापना की जाएगी। इस संबंध में उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ जुझारु माझी ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। उनके साथ ग्रामीण विकास विभाग (विशेष प्रमंडल), चाईबासा के अधिकारी भी मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने अस्पताल परिसर में लगभग दो वर्ष पूर्व निर्मित ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (बीपीएचयू) भवन का जायजा लिया। निरीक्षण में पाया गया कि भवन का उपयोग वर्तमान में अस्पताल की दवाइयों एवं अन्य सामग्रियों के भंडारण के लिए किया जा रहा है। इस पर उन्होंने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अंशुमान शर्मा को भवन को जल्द खाली कराने का निर्देश दिया, ताकि वहां सेंट्रलाइज्ड लैब की स्थापना की प्रक्रिया शुरू की जा सके। सिविल सर्जन ने ग्रामीण विकास विभाग (विशेष प्रमंडल) के कार्यपालक अभियंता राजू मरांडी, सहायक अभियंता अमर रविदास तथा कनीय अभियंता बसंत कुजूर को भवन को सेंट्रलाइज्ड लैब की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि लैब के सफल संचालन के लिए भवन में पानी की समुचित व्यवस्था, आवश्यक स्लैब तथा अन्य आधारभूत सुविधाएं विकसित करना आवश्यक है। विभागीय अधिकारियों ने सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के बाद सिविल सर्जन डॉ जुझारु माझी ने बताया कि ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन का मुख्य उद्देश्य प्रखंड क्षेत्र की सभी प्रयोगशाला जांच सेवाओं को एक ही स्थान पर संचालित करना है। इसके साथ ही स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) से संबंधित कार्यों का संचालन भी इसी भवन से किया जाएगा।उन्होंने कहा कि किसी कारणवश यह योजना अब तक शुरू नहीं हो सकी थी, लेकिन अब उपायुक्त के निर्देश के बाद आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं

डीसी ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा की,मातृ-शिशु स्वास्थ्य व टीबी नियंत्रण में सुधार के दिए निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक कर स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रखंडवार प्रगति की समीक्षा की। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संस्थागत प्रसव, नियमित टीकाकरण, टीबी नियंत्रण कार्यक्रम, कुपोषण उन्मूलन, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके), परिवार कल्याण, आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, एबीएचए आईडी एवं एनक्यूएएस सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीकरण, नियमित प्रसव पूर्व जांच तथा शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि जिले में मई 2026 तक संस्थागत प्रसव की उपलब्धि 95 प्रतिशत तथा पूर्ण टीकाकरण 94 प्रतिशत रही है। उन्होंने इन उपलब्धियों को और बेहतर बनाने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग एवं स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा।गंभीर कुपोषित बच्चों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि ऐसे बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें माल न्यूट्रिशन ट्रीटमेंट सेंटर (एमटीसी) में भर्ती कराया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग

एवं समाज कल्याण विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से कुपोषित बच्चों की पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करने पर बल दिया।टीबी नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा में उपायुक्त ने अधिक से अधिक लोगों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं कॉरपोरेट संस्थानों को निक्षय मित्र बनने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि टीबी मरीजों को पोषण सहयोग उपलब्ध कराने में सामाजिक सहभागिता महत्वपूर्ण है। समीक्षा में बताया गया कि जिले में उपचाररत 1,825 टीबी मरीजों में से 162 मरीजों को पोषण किट उपलब्ध कराई जा चुकी है तथा शेष मरीजों को भी शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया जारी है।बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच एवं समय पर उपचार सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। वहीं परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत 11 जुलाई से 10 अगस्त तक आयोजित होने वाले विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए लक्ष्य आधारित उपलब्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।आयुष्मान भारत योजना एवं आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने पात्र लाभुकों का आयुष्मान कार्ड एवं एबीएचए आईडी बनाने में तेजी लाने का निर्देश दिया। समीक्षा में बताया गया कि जिले में एबीएचए आईडी निर्माण की उपलब्धि 48.23 प्रतिशत है तथा जून माह में 42,446 नई एबीएचए आईडी बनाई गई हैं। उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थानों में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया।बैठक में सिविल सर्जन, एमएमसीएच अधीक्षक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के पदाधिकारी, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

भेटौरा पंचायत के विकास को मिली नई आवाज, विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा मांगों का ज्ञापन

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : टनकुप्पा प्रखंड की भेटौरा पंचायत के समग्र विकास और ग्रामीणों की वर्षों पुरानी आवागमन संबंधी समस्याओं के समाधान को लेकर पंचायत के मुखिया दिलीप प्रसाद यादव ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पंचायत और आसपास के क्षेत्रों में सड़क, पुल-पुलिया तथा रेलवे अंडरपास के निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। मुखिया ने बताया कि ग्राम पंचायत भेटौरा से गोयनिया अनुसूचित टोला तक सड़क निर्माण, इटाडीह से बभनिमा होते हुए बादलबीघा अनुसूचित टोला तक सड़क तथा बुटूबीघा से बीघापर तक सड़क निर्माण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। इन सड़कों के अभाव में ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ज्ञापन में टनकुप्पा रेलवे स्टेशन के समीप जियनबीघा, फेरुबिघा तथा बंसी नाला हाल्ट के पास रेलवे अंडरपास के निर्माण की भी मांग की गई है। मुखिया का कहना है कि अंडरपास बनने से लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी।मुखिया दिलीप प्रसाद यादव ने विधानसभा अध्यक्ष से जनहित को प्राथमिकता देते हुए सभी प्रस्तावित योजनाओं पर शीघ्र सकारात्मक पहल कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों के पूरा होने से पंचायत के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा और क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई गति प्राप्त होगी।

गांव की चौपाल पर पहुंचा प्रशासन, जन शिकायत में कई मामलों का हुआ ऑन-द-स्पॉट निपटारा

फतेहपुर व टनकुप्पा की सात पंचायतों और नगर पंचायत के वार्डों में अधिकारियों ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को फतेहपुर प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में जन शिकायत निवारण सहयोग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया गया।फतेहपुर प्रखंड की दक्षिणी लोधवे, नौडीहा झुरांग, भारे पंचायत तथा नगर पंचायत फतेहपुर के वार्ड संख्या तीन एवं चार में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। भूमि विवाद, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, विकास योजनाओं और अन्य जनहित से जुड़े मामलों के आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदन की सुनवाई कर संबंधित विभागों को शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए तथा ग्रामीणों को समयबद्ध समाधान का भरोसा दिलाया।शिविर में डीसीएलआर, एसडीपीओ सुनील कुमार पांडेय, फतेहपुर बीडीओ शशि भूषण साहू, सीओ अमिता सिन्हा, एमओ मुकेश कुमार गुप्ता, बीपीआरओ प्रमोद कुमार, सीडीपीओ समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और कर्मी मौजूद रहे।

जन शिकायत निवारण शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़, 39 आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया शुरू

बीडीओ की मौजूदगी में अधिकारियों ने सुनीं समस्याएं, संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से मंगलवार को टनकुप्पा प्रखंड के आरोपुर पंचायत कार्यालय एवं जगरनाथपुर पंचायत सरकार भवन में जन शिकायत निवारण सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी अलीशा कुमारी ने की। शिविर में भूमि विवाद, राजस्व, राशन, पेयजल, पेंशन व जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुई। इस दौरान लोक सेवा शिकायत निवारण पदाधिकारी नैना कुमारी, एसडीपीओ सुनील कुमार पांडेय, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने भूमि विवाद, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, जन वितरण प्रणाली, पेयजल, शौचालय, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र और पेंशन से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। अधिकारियों ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया तथा जल्द निष्पादन का भरोसा दिलाया।बीडीओ अलीशा कुमारी ने बताया कि शिविर में कुल 39 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें राजस्व से संबंधित 13, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र के 12, पीएचईडी के छह, शौचालय के तीन, पेंशन योजना के तीन तथा राशन कार्ड से संबंधित दो आवेदन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को अग्रसारित कर समयबद्ध तरीके से उनका निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा।

पीएम श्री विद्यालय में व्यवस्था की पड़ताल, लापरवाही पर विधानसभा अध्यक्ष ने दिखाई सख्ती

भवन निर्माण व मध्याह्न भोजन में अनियमितता की शिकायतों की जांच के दिए निर्देश

छात्राओं की सुरक्षा, संसाधनों की कमी और लंबित शैक्षणिक सामग्री पर तत्काल कार्रवाई का आदेश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया जी): बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने मंगलवार को टनकुप्पा प्रखंड स्थित पीएम श्री प्लस-टू उच्च विद्यालय, करियादपुर का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही पर सख्त नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। विद्यालय पहुंचने पर प्रभारी प्रधानाध्यापक विकास कुमार एवं पूर्व प्रभारी डॉ. सियाराम सिंह ने उनका स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र

और राज्य सरकार शिक्षा के विकास पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही हैं। ऐसे में यह सुनिश्चित करना अधिकारियों और शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे विद्यार्थियों तक पहुंचे। उन्होंने शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर बल दिया। ग्रामीणों ने विद्यालय आने-जाने वाली छात्राओं के साथ मनचले युवकों द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायत की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने संबंधित थाना को ऐसे असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वहीं विद्यालय में आदेशपाल, बेंच-डेस्क, खेल सामग्री, फर्नीचर एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की कमी का मुद्दा भी सामने आया, जिस पर उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को शीघ्र व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।विद्यालय प्रबंधन ने कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली शैक्षणिक सामग्री अब तक हस्तांतरित नहीं होने की जानकारी दी। इसके अलावा ग्रामीणों ने मध्याह्न भोजन योजना तथा उच्च विद्यालय भवन निर्माण में वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जेडआरयूसीसी की बैठक में गूंजे गया जंक्शन के दर्जन भर रेल मुद्दे, सुविधाओं की उठी मांग

गया जी (एजेंसी) : जेडआरयूसीसी (पूर्व मध्य रेलवे की जोनल रेलवे उपभोक्ता परामर्शदात्री समिति) की बैठक में गया का प्रतिनिधित्व कर रहे समिति सदस्य डी के जैन और कौशलेंद्र प्रताप ने गया जंक्शन के दर्जन भर रेल मुद्दे और सुविधाओं की मांग रखा। इस दौरान गया से जुड़े रेल यात्रियों की समस्याओं और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे गए। रेलवे के जीएम छत्रसाल सिंह ने सभी मांगों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। बैठक में गया से मुंबई के लिए नई ट्रेन चलाने, गया जंक्शन पर एरिया मैनेजर की नियुक्ति, प्लेटफॉर्म पर अतिरिक्त शेड लगाने, रेलवे अस्पताल में बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने तथा प्रमुख ट्रेनों की आवृत्ति बढ़ाने की मांग उठाई गई। इसके अलावा गया-मुंबई के बीच चलने वाली 12321/12322 एक्सप्रेस में वातानुकूलित श्रेणियों का कोटा बढ़ाने और गया से एसी-2 तथा एसी-3 श्रेणी में इमरजेंसी कोटा

उपलब्ध कराने का भी प्रस्ताव रखा गया। प्रतिनिधियों ने कहा कि गया अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और धार्मिक नगरी होने के साथ कैंसर मरीजों का भी प्रमुख आवागमन केंद्र है इसलिए यहां अतिरिक्त आरक्षण सुविधा जरूरी है।बैठक में गया जंक्शन के समीप डेल्हा गुमटी संख्या एक को बंद रहने से लाखों लोगों को हो रही परेशानी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। इसके समाधान के लिए फुट ओवरब्रिज सह मोटरसाइकिल ब्रिज निर्माण की मांग की गई। वहीं गया-लखनऊ एकात्मा एक्सप्रेस को सप्ताह में तीन दिन के बजाय प्रतिदिन चलाने के लिए अतिरिक्त रैक उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी रखा गया। बताया गया कि इस प्रस्ताव को रेलवे ने अपनी अनुशंसा के साथ रेलवे बोर्ड को भेज दिया है। इसके अलावा गया-पटना के बीच शाम और दोपहर के समय पैसेंजर ट्रेन चलाने की मांग भी उठाई गई ताकि दैनिक यात्रियों को राहत मिल सके। प्रतिनिधियों ने कहा कि विष्णुपद और बोधगया कॉरिडोर के निर्माण के बाद यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी। इसे देखते हुए गया में दो नए वाशिंग पिट का निर्माण आवश्यक है, जिससे भविष्य में मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, पुणे और बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों के लिए नई ट्रेनों का संचालन संभव हो सके।

क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्त्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

सांसदगण व माननीय सदस्यों से प्राप्त हुए बहुमूल्य सुझाव

हाजीपुर(एजेंसी) : आज पटना में क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में 06 सांसदगण, 01 विधायक एवं जेडआरयूसीसी के अन्य 30 सदस्यों ने भाग लिया एवं यात्री सुविधाओं में वृद्धि तथा जन-आकांक्षाओं से जुड़े मुद्दों के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये जिस पर महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा गंभीरता से विचार करने की बात कही गयी ।आज की बैठक में सांसदगण उपेन्द्र कुशवाहा, रामप्रीत मंडल, श्री अशोक कुमार यादव, चन्द्र प्रकाश चौधरी, विष्णु दयाल राम, सांसद श्रीमती शांभवी एवं विधायक रामनिवास शाह सहित क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के अन्य माननीय सदस्यगण ने पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार में रेल अवसंरचना के विकास, यात्री सुविधाओं में बढ़ोत्तरी आदि के संबंध में अपना बहुमूल्य सुझाव दिए । माननीय सदस्यों ने रेलवे द्वारा की जा रही नई लाईनों के निर्माण, दोहरीकरण, स्टेशनों के पुनर्विकास जैसे आधारभूत संरचना के कार्यों में तेजी आने पर संतोष व्यक्त किया । साथ ही उन्होंने वंदे भारत, अमृत भारत के साथ ही नई ट्रेनों के परिचालन एवं विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों के दिए गए ठहराव हेतु रेलवे का आभार व्यक्त किया । बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने माननीय सांसदगण, विधायक एवं माननीय सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि हम उत्कृष्ट कार्य निष्पादन तथा कार्यक्षेत्र में दक्षता को बढ़ाकर इस क्षेत्रीय रेल को निरंतर आगे बढ़ाने की ओर सदा अग्रसर हैं और इस दिशा में ह्वयात्री सुविधाह्व हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है । महाप्रबंधक ने कहा कि यात्री सेवाओं से संबंधित मामलों पर परामर्श, यात्री सेवाओं की गुणवत्ता तथा दक्षता में सुधार आदि के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों को यात्रियों के प्रति और ज्यादा अनुकूल एवं लाभदायक बनाने के लिए

बंगाली बाजार 31 पर एन आई वर्क, कभी भी 4 घंटे का लिया जा सकता है ब्लॉक,तीनों रेलखंड पर ट्रेन परिचालन सेवा रहेगी बाधित

सहरसा, (एजेंसी) : बंगाली बाजार रेलवे फाटक संख्या 31 अब जल्द बंद होगा। इससे पूर्व सिगनलिंग व्यवस्था को सेटअप करने की तैयारी चल रही है। इसके लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जाना है जिसके कारण सहरसा में चार घंटे का मेगा ब्लॉक लिया जाएगा।इस दौरान सहरसा मानसी सहरसा सुपौल और सहरसा पूर्णिया रेलखंड पर सिगनलिंग व्यवस्था फेल रहेगी जिससे तीनों रेलखंड पर ट्रेन परिचालनबाधित रहेगी।अब जल्द ही इसे चालू करने की दिशा में रेलवे अपने तैयारी में जुटी है एप्रोच रोड चालू होते ही सैकड़ो साल पुराना बंगाली बाजार रेलवे फाटक संख्या 31 बंद हो जाएगा इसे लेकर समस्तीपुर रेल मंडल ने सिगनलिंग डिपार्टमेंट को सिगनलिंग सेटअप करने का जल्द से जल्द निर्देश दिया है।सिगनलिंग सिस्टम का काम पूरा होते ही एप्रोच रोड को चालू कर दिया जाएगा। इसके बाद बंगाली बाजार रेलवे फाटक सदा के लिए बंद हो जाएगा।सिगनलिंग विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक बंगाली बाजार 31 पर एन आईवर्क के कारण 4 घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा करीब 4 घंटे तक रेल परिचालन व्यवस्था ठप रहेगी। नए तरीके से सिगनलिंग सिस्टम को सेटअप किया जाना है।कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट से ब्लॉक लेने के लिए बातचीत चल रही है उम्मीद है कि दो से तीन रोज के अंदर ब्लॉक लिया जा सकेगा।एप्रोच रोड 588 मीटर लंबा व 11 मीटर चौड़ा होगा।मानसी और मधेपुरा की तरफ से प्लेटफार्म पर आने वाली ट्रेन से पहले अब रेलवे फाटक नहीं होगा बंद।बंगाली बाजार रेलवे फाटक पर अब नहीं लगेगा जाम।इंजन रिवर्स में भी नहीं आएगी प्रॉब्लम।बंगाली बाजार से एप्रोच रोड से थाना चौक और गांगजला चौक आसानी से पहुंचेंगे लोग।

ट्रेनों के महिला आरक्षित कोच में पुरुष यात्रियों की एंट्री पर रेलवे हुआ सख्त

महाबोधि एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों में आरपीएफ का विशेष जांच अभियान, नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई

गया जंक्शन पर सात माह में 275 पुरुष यात्रियों पर कार्रवाई, 81,600 रुपये जुर्माना वसूला

गया जी(एजेंसी) : महिला यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेल प्रशासन ने ट्रेनों के महिला आरक्षित कोच में पुरुष यात्रियों के अनाधिकृत प्रवेश पर सख्ती बढ़ा दी है। शिकायतों में लगातार वृद्धि के बाद गया-नई दिल्ली महाबोधि एक्सप्रेस सहित कई महत्वपूर्ण ट्रेनों में आरपीएफ द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान महिला कोच में बिना अनुमति यात्रा करते पाए जाने वाले पुरुष यात्रियों के खिलाफ रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुमार्ना लगाया जा रहा है। सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित विशेष टीम इस अभियान की निगरानी कर रही है। टीम में आरपीएफ पोस्ट इंस्पेक्टर बनारसी यादव तथा सीआईबी इंस्पेक्टर चंदन कुमार संयुक्त रूप से जांच अभियान का संचालन कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार महिला स्पेशल कोच की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

एकल महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए बढ़ाई गई चौकसी

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि महिला यात्रियों, विशेषकर अकेले सफर करने वाली महिलाओं को सुरक्षित और भयमुक्त यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। आरपीएफ की टीमें प्रमुख ट्रेनों, रेलवे स्टेशनों तथा प्लेटफॉर्म पर नियमित रूप से महिला आरक्षित कोच की जांच कर रही हैं। इसके अलावा संदिग्ध गतिविधियों पर भी विशेष नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी तरह की असुविधा या सुरक्षा संबंधी समस्या को समय रहते रोका जा सके। विशेष जांच अभियान का मॉनिटरिंग डीडीयू रेल मंडल के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर खुद कर रहे हैं।

आंकड़ों के अनुसार, गया जंक्शन पर वर्ष 2026 में जनवरी से जुलाई तक महिला आरक्षित कोच में अनधिकृत रूप से यात्रा करने के मामले में कुल 275 पुरुष यात्रियों के खिलाफ रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। इन सभी से जुमार्ने के रूप में कुल 81 हजार 600 रुपये राजस्व की वसूली की गई।

पूर्व मुखिया धर्मेंद्र सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा जनसेवा ही उनकी विरासत रहेगी

जगरनाथपुर पहुंचकर परिजनों से मिले डॉ. प्रेम कुमार, व्यक्त की गहरी संवेदना

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार मंगलवार को टनकुप्पा प्रखंड के जगरनाथपुर गांव पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्व मुखिया एवं भाजपा नेता स्वर्गीय धर्मेंद्र सिंह के निधन पर उनके परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि स्व. धर्मेंद्र सिंह ने अपना

पूरा जीवन जनसेवा और समाज के उत्थान के लिए समर्पित किया। उनके सरल स्वभाव, कर्मठता और समाजहित में किए गए कार्यों को क्षेत्र के लोग हमेशा याद रखेंगे। उनका निधन न केवल परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद सिंह, बबलू सिंह, मुखिया दिलीप यादव, मुखिया धनंजय मिस्त्री, पूर्व उप प्रमुख रामचंद्र यादव, सरपंच नारायण प्रसाद यादव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने स्व. धर्मेंद्र सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष क्षेत्र की विभिन्न विकास संबंधी समस्याएं भी रखीं। लोगों ने करियादपुर नदी पर नए पुल के निर्माण, करियादपुर में थाना की स्थापना तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास की मांग की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि जनहित से जुड़े सभी प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार कर संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक पहल की जाएगी।

बिहार-यूपी के साइबर फ्रॉड की रकम खाते में लेने वाला आरोपी गिरफ्तार, बैंक खाते से जुड़े मिले ठगी के सबूत

किशनगंज, (एजेंसी) : बिहार और उत्तर प्रदेश में हुए साइबर ठगी के मामलों से जुड़ी अवैध राशि अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कर उसका उपयोग करने के आरोप में किशनगंज साइबर थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक हरिमोहन शुक्ला के निर्देशन में साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। साइबर थाना कांड संख्या 18/2026, दिनांक 5 जुलाई 2026 के अनुसंधान के दौरान वैज्ञानिक, तकनीकी एवं वित्तीय साक्ष्यों के आधार पर गलगलिया थाना क्षेत्र के धमेलगाछ निवासी चंदन कुमार मंडल, पिता-ललित मंडल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार जांच में यह सामने आया कि आरोपी के बैंक खाते का इस्तेमाल बिहार एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न साइबर ठगी के मामलों से प्राप्त अवैध धनराशि के हस्तांतरण, उपयोग और निकासी के लिए किया जा रहा था।

पुलिस ने बताया कि डिजिटल साक्ष्य, बैंकिंग लेन-देन का विश्लेषण तथा अन्य तकनीकी जांच में आरोपी की संलिप्तता प्रथम दृष्टया स्थापित होने के बाद उसे विधिसम्मत तरीके से गिरफ्तार किया गया। मामले में साइबर अपराधियों के नेटवर्क, वित्तीय लेन-देन की श्रृंखला, अन्य लाभार्थी खातों तथा संभावित सहयोगियों की पहचान के लिए गहन जांच जारी है।

अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर इस संगठित साइबर अपराध से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी लगातार छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से एक पोको कंपनी का मोबाइल फोन, आईडीबीआई बैंक का एक एटीएम कार्ड, एसबीआई बैंक का एक एटीएम कार्ड तथा आईडीबीआई बैंक की एक चेकबुक बरामद की है।

संपादकीय

यह प्राकृतिक कम, मानवजनित आपदा ज्यादा

दुनियां के विभिन्न देशों में लगातार आ रहे भूकंप के झटके दरअसल जतला रहे हैं कि पृथ्वी के अंदर कुछ ऐसा चल रहा है जिसकी भनक मानव को नहीं है। कहने को विज्ञान ने अत्याधुनिक युग के लिहाज से खूब तरक्की कर ली है, लेकिन आज भी कोई ऐसा यंत्र विकसित नहीं हो सका है जो यह बतला दे कि किस समय कहां भूकंप आएगा या आने वाला है। कुछ इसी तरह वर्षा को लेकर मौसम विभाग आंकलन करता है और अनुमान जाहिर करता है, लेकिन बारिश वाले बादल कब कहां पहुंचेंगे और कितनी बारिश करेंगे परफेक्ट आंकड़े नहीं बतलाए जा सकते हैं। कभी अनुमान सही निकल जाता है तो कभी गलत साबित होता है। यह सभी जानते हैं कि जिस प्रकृति के साथ मानव रह रहा है जब वह उसे अपने मन-माफिक बदलना चाहता है तो प्रकृति खुद अपना बैलेंस करने को मजबूर हो जाती है, जिसका खामियाजा सभी को भुगतना होता है। बहरहाल यहां हम बात मानसून की कर रहे हैं, जिस पर खेती-किसानी से लेकर जीव-जंतुओं का जीवन निर्भर है। इसलिए मानसून को भारत की जीवनरेखा कहा गया है। कृषि, जल संसाधन और पर्यावरण का संतुलन काफी हद तक इसी पर निर्भर करता है। लेकिन जब यही बारिश कुछ ही घंटों में शहरों को ठप कर दे, जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाए, परिवहन व्यवस्था ध्वस्त हो जाए, लोगों की जान चली जाए और हजारों करोड़ रुपये की आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो जाएं, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या इसके लिए केवल प्रकृति जिम्मेदार है? मुंबई और गुजरात के ताजा हालात इस प्रश्न का उत्तर स्पष्ट रूप से देते हैं कि यह संकट केवल प्राकृतिजन्य नहीं, बल्कि बड़ी तादाद में मानवजनित भी है। मुंबई में चार दिनों के भीतर जुलाई महीने की औसत वर्षा का लगभग 90 प्रतिशत पानी बरस गया। इसके परिणामस्वरूप रेल, सड़क और हवाई सेवाएं प्रभावित हो गईं। पिछले कुछ दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 13 लोगों की जान चली गई और प्रारंभिक अनुमान के अनुसार 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रशासन को निजी कंपनियों को वर्क फ्रॉम होम की सलाह देनी पड़ी, गैर-जरूरी कार्यालयों में छुट्टी घोषित करनी पड़ी और लोगों से घरों में रहने की अपील करनी पड़ी। दूसरी ओर गुजरात के सूरत, वडोदरा, वापी, नवसारी और अन्य शहरों में सड़कें नदियों में तब्दील हो गईं। जलभराव के कारण स्कूल बंद करने पड़े और सामान्य जीवन पूरी तरह बाधित हो गया।

मित्र को प्रकृति की उत्कृष्ट कृति माना जा सकता है।

:अमरसन

बिना विश्वास के कोई काम हो ही नहीं सकता।

: नारायणदास

भारतीय पीएम की इंडो- पैसिफिक यात्रा 6-11 जुलाई 2025 :भारत की एक्ट ईस्ट नीति का नया अध्याय और हिंद- प्रशांत में उभरती वैश्विक शक्ति की रणनीति

भारत की इस इंडो-पैसिफिक यात्रा को अनेक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ 2026 की सबसे महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहलों में से एक मान रहे हैं

21वीं सदी की वैश्विक कूटनीति में भारत का उभरता रणनीतिक नेतृत्व-इंडो- पैसिफिक यात्रा को एक्ट ईस्ट नीति के एक नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है

वैश्विक स्तरपर भारतीय पीएम की 6 से 11 जुलाई 2026 तक की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की छह दिवसीय यात्रा जिसपर भारत से पूरे विश्व की नजरें लगी हुई है,केवल तीन देशों काराजनयिक दौरा नहीं है, बल्कि यह भारत की लगभग एक दशक से अधिक समय से विकसित हो रही एक्ट ईस्ट नीति का सबसे परिपक्व और व्यापक स्वरूप है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब हिंद- प्रशांत क्षेत्र विश्व राजनीति, वैश्विक अर्थव्यवस्था,समुद्री व्यापार, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और सामरिक संतुलन का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है, विश्व की लगभग आधी आबादी, वैश्विक जीडीपी का बड़ा हिस्सा और अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार काअधिकांश भाग इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है। ऐसे में मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत का इस क्षेत्र में सक्रिय,संतुलित और बहु आयामी नेतृत्व केवल उसकी विदेश नीति का विस्तार नहीं बल्कि उसकी वैश्विक भूमिका का पुनर्परिभाषण भी है। यही कारण है कि इस यात्रा को एक्ट ईस्ट नीति के एक नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है ।यह यात्रा केवल एक नियमित विदेश दौरा नहीं है, बल्कि यह उस बदलती वैश्विक व्यवस्था का प्रतीक है जिसमें भारत स्वयं को हिंद-प्रशांत (इंडो-पैसिफिक) क्षेत्र के एक उत्तरदायी, विश्वसनीय और निर्णायक साझेदार के रूप में स्थापित कर रहा है ।जिसपर भारत से पूरे विश्व की नजरें लगी हुई है इस यात्रा का उद्देश्य भारत की एक्ट ईस्ट नीति, मुक्त, खुला और समावेशी इंडो-पैसिफिक,समुद्री सुरक्षाव्यापार प्रौद्योगिकी, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों, आपूर्ति श्रृंखला और लोगों के बीच संबंधों को नई गति देना है। इस दौरान तीनों देशों के शीर्ष नेतृत्व से द्विपक्षीय वार्ता, व्यापारिक समुदाय से संवाद और भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ संपर्क कार्यक्रम प्रस्तावित हैं।

साथियों, आज विश्व की भू-राजनीति का केंद्र तेजी से हिंद -प्रशांत क्षेत्र की ओर स्थानांतरित हो रहा है। वैश्विक समुद्री व्यापार का बड़ा भाग इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है, जबकि ऊर्जा आपूर्ति,डिजिटल कनेक्टिविटी और वैश्विक उत्पादन नेटवर्क भी इसी क्षेत्र पर निर्भर हैं। ऐसे समय में भारत का उद्देश्य केवल अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना नहीं है,बल्कि एक ऐसी व्यवस्था को मजबूत करना भी है जिसमें अंतरराष्ट्रीय कानून,नौवहन की स्वतंत्रता और सभी देशों की संप्रभुता का सम्मान बना रहे। यही कारण है कि इस यात्रा को अनेक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ 2026 की सबसे महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहलों में से एक मान रहे हैं।भारत की एक्ट ईस्ट नीति अब केवल दक्षिण- पूर्व एशिया के साथ सांस्कृतिक संबंधों तक सीमित नहीं रही। यह आर्थिक,सामरिक,तकनीकी और समुद्री साझेदारी का व्यापक ढांचा बन चुकी है। इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड इस रणनीति के तीन महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। साथियों, इंडोनेशिया विश्व का सबसे बड़ा मुस्लिम-बहुल लोकतंत्र है और मलक्का जलडमरूमध्य के निकट उसकी रणनीतिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है ।ऑस्ट्रेलिया महत्वपूर्ण खनिजों, रक्षा सहयोग और हिंद-प्रशांत सुरक्षा का प्रमुख भागीदार है, जबकि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार, कृषि, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ हैं ।इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक आयाम चीन के बढ़ते प्रभाव की पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है ।भारत ने कहीं भी प्रत्यक्ष टकराव की नीति नहीं अपनाई है,लेकिन वह नियम- आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और संतुलित शक्ति संरचना का समर्थन करता है। दक्षिण चीन सागर, समुद्री मार्गों और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर भारत समान विचार वाले देशों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। कई विश्लेषकों का मानना है कि यह यात्रा किसी सैन्य गठबंधन का संदेश नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, संतुलन और साझेदारी का संकेत है ।भारत और इंडोनेशिया के संबंध इस यात्रा में विशेष महत्व रखते हैं। दोनों देश हिंद महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाले समुद्री क्षेत्र में स्थित हैं। रक्षा सहयोग,समुद्री निगरानी, डिजिटल साझेदारी, बंदरगाह विकास और संभावित रक्षा निर्यात जैसे विषय एजेंडे में शामिल हैं। विशेष रूप से ब्रह्मोस मिसाइल और समुद्री सुरक्षा सहयोग पर चर्चा अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक समुदाय की निगाहों में है। साथियों, ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंध पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व गति से मजबूत हुए हैं। आज दोनों देश केवल लोकतांत्रिक साझेदार नहीं बल्कि महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी भी हैं ।रक्षा अभ्यास, समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा, विज्ञान तथा महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति इस संबंध के प्रमुख आधार बन चुके हैं ।विशेष रूप से लिथियम, कोबाल्ट और अन्य महत्वपूर्ण खनिज भारत के ऊर्जा संक्रमण और सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए अत्यंत आवश्यक हैं ।विश्व अर्थव्यवस्था आज आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के दौर से गुजर रही है। महामारी, भू- राजनीतिक तनाव और क्षेत्रीय संघर्षों ने देशों को विश्वसनीय साझेदार खोजने के लिए प्रेरित किया है। भारत इस अवसर को विश्वसनीय विनिर्माण केंद्र के रूप में बदलना चाहता है। यदि इस यात्रा के दौरान व्यापार, निवेश, लॉजिस्टिक्स और महत्वपूर्ण खनिजों पर नए समझौते आगे बढ़ते हैं तो इसका प्रभाव भारतीय उद्योग,रोजगार और निर्यात पर भी सटीकता से दिखाई दे सकता है।

साथियों, न्यूजीलैंड यात्रा का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि कई दशकों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह महत्वपूर्ण राजकीय यात्रा मानी जा रही है। कृषि अनुसंधान, डेयरी प्रौद्योगिकी,खाद्य प्रसंस्करण शिक्षा, पर्यटन और मुक्त व्यापार जैसे क्षेत्रों में सहयोग की नई संभावनाएँ खुल सकती हैं। दोनों देशों के बीच लोगों से लोगों के संबंध और भारतीय समुदाय भी इस साझेदारी की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। भारत की समुद्री नीति अब केवल तटीय सुरक्षा तक सीमित नहीं है। हिंद महासागर में मानवीय सहायता, आपदा राहत,समुद्री डकैती विरोधी अभियान,समुद्री पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित समुद्री व्यापार मार्ग भारत की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। इसी संदर्भ में भारत का मुक्त, खुला और समावेशी इंडो-पैसिफिक दृष्टिकोण विश्व समुदाय के लिए भी सटीकता से महत्वपूर्ण बन गया है। साथियों, इस यात्रा में व्यापारिक समुदाय के साथ होने वाली बैठकों का भी विशेष महत्व है। भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। डिजिटल भुगतान, स्टार्टअप, हरित ऊर्जा, रक्षा विनिर्माण और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेश आकर्षित करने की भारत की क्षमता लगातार बढ़ रही है। यदि इन क्षेत्रों में नई साझेदारियाँ बनती हैं तो इसका सकारात्मक प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था और दीर्घकालिक निवेश वातावरण पर पड़ सकता है ।भारतीय प्रवासी समुदाय इस पूरी यात्रा का एक महत्वपूर्ण आयाम है ।ऑस्ट्रेलिया,न्यूजीलैंड और इंडोनेशिया में बसेभारतीय मूल के लोग शिक्षा,व्यापार, विज्ञान चिकित्सा और सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इन समुदायों के साथ संवाद भारत की सॉफ्ट पावर और सांस्कृतिक कूटनीति को और मजबूत करता हैं ।विशेषज्ञों का मानना है कि 21वीं सदी की विश्व व्यवस्था केवल सैन्य शक्ति से निर्धारित नहीं होगी। तकनीक, आपूर्ति श्रृंखला, समुद्री संपर्क, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु सहयोग और विश्वसनीय साझेदारियाँ भविष्य की शक्ति के वास्तविक आधार होंगे। भारत की यह यात्रा इन्हीं सभी आयामों को एक साथ जोड़ने का प्रयास है ।इस पूरी यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण आयाम हिंद-प्रशांत की सामरिक संरचना में भारत की बढ़ती भूमिका है। भारत लगातार यह स्पष्ट करता रहा है कि उसका उद्देश्य किसी देश के विरुद्ध सैन्य गठबंधन बनाना नहीं, बल्कि ऐसा क्षेत्रीय वातावरण तैयार करना है जहाँ सभी देशों की संप्रभुता का सम्मान हो,समुद्री मार्ग सुरक्षित रहें, अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन हो और छोटे-बड़े सभी देशों को समान अवसर मिलें। यही दृष्टिकोण भारत को एक संतुलित, विश्वसनीय और जिम्मेदार शक्ति के रूप में स्थापित करता है ।अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय पीएम की इंडो- पैसिफिक यात्रा को केवल तीन देशों की यात्रा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए ।यह भारत की उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है जिसके माध्यम से वह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन,सहयोग,आर्थिक विकास और नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था का समर्थक बनकर उभरना चाहता है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पीडीए से प्लान-100 तक सपा का नया दांव, बदल पाएगा 2027 का समीकरण?

उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनावी रणनीति जितनी बूथ पर बनती है, उतनी ही सामाजिक समीकरणों की प्रयोगशाला में भी तैयार होती है। 2027 विधानसभा चुनाव में अभी समय है, लेकिन समाजवादी पार्टी ने जिस तरह अपनी रणनीति को जमीन पर उतारना शुरू किया है, उसने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। 2024 लोकसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) फॉमूर्ले की सफलता के बाद अब अखिलेश यादव उसी रणनीति को और बड़ा आकार देने की तैयारी में हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार लक्ष्य केवल भाजपा को चुनौती देना नहीं, बल्कि बहुजन समाज पार्टी के पारंपरिक दलित वोट बैंक में स्थायी सेंध लगाना भी है। समाजवादी पार्टी के अंदर चल रही तैयारियों के मुताबिक, पार्टी 2027 विधानसभा चुनाव में करीब 100 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति उम्मीदवारों को टिकट देने की रणनीति पर काम कर रही है। उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति के लिए 84 और अनुसूचित जनजाति के लिए दो सीटें आरक्षित हैं। इसके अलावा लगभग 14 सामान्य सीटों पर भी दलित उम्मीदवार उतारने की तैयारी है। अगर ऐसा होता है तो उत्तर प्रदेश के चुनावी इतिहास में यह पहली बार होगा, जब समाजवादी पार्टी इतनी बड़ी संख्या में दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी। यह सिर्फ टिकट वितरण नहीं होगा, बल्कि दलित राजनीति में अपनी नई पहचान गढ़ने की कोशिश भी होगी।

इस रणनीति की शुरूआत दरअसल 2024 के लोकसभा चुनाव से हुई थी। फैजाबाद (अयोध्या) की सामान्य सीट से पासी समाज के अवधेश प्रसाद को टिकट देकर सपा ने बड़ा राजनीतिक जोखिम उठाया था। भाजपा के सबसे प्रतिष्ठित राजनीतिक और वैचारिक गढ़ माने जाने वाले अयोध्या में अवधेश प्रसाद की जीत ने पूरे देश का ध्यान खींचा। इसी तरह मेरठ जैसी सामान्य सीट पर दलित चेहरा सुनीता वर्मा को मैदान में उतारा गया। वह चुनाव भले हार गईं, लेकिन भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल को महज 10,585 वोटों के अंतर तक सीमित कर दिया। इन दोनों नतीजों ने सपा नेतृत्व को यह भरोसा दिलाया कि यदि सही सामाजिक समीकरण और मजबूत स्थानीय उम्मीदवार मिले, तो सामान्य सीटों पर भी दलित उम्मीदवार जीत का समीकरण बना सकते हैं। यही कारण है कि अब पार्टी इस प्रयोग को पूरे प्रदेश में दोहराने की तैयारी कर रही है। पार्टी का मानना है कि सामान्य सीटों पर दलित उम्मीदवार उतारने से दो बड़े संदेश जाएंगे। पहला, दलित समाज को यह महसूस होगा कि समाजवादी पार्टी उन्हें केवल आरक्षित सीटों तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि सत्ता में व्यापक भागीदारी देना चाहती है। दूसरा, पार्टी अपनी वर्षों पुरानी 'यादव-मुस्लिम पार्टी' वाली छवि से बाहर निकलने की कोशिश करेगी।

दरअसल, समाजवादी पार्टी की पूरी रणनीति का केंद्र उत्तर प्रदेश की बदलती दलित राजनीति है। 2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश में अनुसूचित जाति की आबादी लगभग 21 प्रतिशत है। लंबे समय तक यही वोट बैंक मायावती और बहुजन समाज पार्टी की सबसे बड़ी ताकत रहा। लेकिन पिछले कुछ चुनावों के आंकड़े बताते हैं कि यह आधार लगातार कमजोर हुआ है। 2017 विधानसभा चुनाव में बसपा को 22.23 प्रतिशत वोट मिले थे और पार्टी ने 19 सीटें जीती थीं। 2022 में उसका वोट शेयर घटकर 12.88 प्रतिशत रह गया और पार्टी केवल एक सीट जीत सकी। 2024 लोकसभा चुनाव में तो बसपा एक भी सीट नहीं जीत पाई और उसका वोट शेयर 2019 के 19.43 प्रतिशत से गिरकर 9.4 प्रतिशत रह गया। यही वह राजनीतिक खाली जगह है, जिस पर समाजवादी पार्टी अपनी पूरी ताकत लगा रही है। सपा की राजनीतिक गणित केवल दलितों तक सीमित नहीं है। पार्टी ने 2024 लोकसभा चुनाव में 62 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें सिर्फ पांच यादव और चार मुस्लिम उम्मीदवार थे। दिलचस्प बात यह रही कि सभी नौ उम्मीदवार जीतकर संसद पहुंचे। सात दलित सांसद भी समाजवादी पार्टी के टिकट पर लोकसभा पहुंचे। पार्टी इसे अपने सामाजिक विस्तार का सबसे बड़ा प्रमाण मानती है। यही वजह है कि 2027 में टिकट वितरण के दौरान यादव और मुस्लिम उम्मीदवारों की संख्या सीमित रखने तथा दलित, पिछड़े और अन्य समुदायों को अधिक प्रतिनिधित्व देने की रणनीति पर काम हो रहा है।

लेकिन चुनाव सिर्फ टिकटों से नहीं जीते जाते। यही वजह है कि समाजवादी पार्टी ने संगठन के स्तर पर भी बड़ा अभियान शुरू किया है। पार्टी ने उन 100 विधानसभा सीटों की पहचान की है, जहां उसे लगातार तीन चुनावों में हार का सामना करना पड़ा। 2012, 2017 और 2022 के चुनावी आंकड़ों की समीक्षा के बाद इन सीटों को सबसे कमजोर कड़ी माना गया। अब इन्हें जीतने के लिए अलग से अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम 40 कमजोर बूथों की पहचान की गई है। इन बूथों पर सक्रिय और जुझारू कार्यकताओं की तैनाती की जा रही है। निर्देश दिया गया है कि पदाधिकारी महीने में कम से कम 15 दिन क्षेत्र में सक्रिय रहें। जो नेता क्षेत्र में समय नहीं दे सकते, उन्हें जिम्मेदारी छोड़ने तक की सलाह दी गई है। इसके साथ ही हर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 5,000 वोटों का प्रभाव रखने वाली जातियों के प्रभावशाली लोगों को संगठन में पद देकर जोड़ने की योजना बनाई गई है। शहरों में यही मॉडल वार्ड स्तर पर लागू किया जा रहा है ।सपा की नजर विशेष रूप से गैर-जाटव दलितों पर है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जाटव समुदाय का बड़ा हिस्सा अभी भी मायावती के साथ खड़ा दिखाई देता है, लेकिन गैर-जाटव दलितों का मतदान व्यवहार पिछले कुछ चुनावों में तेजी से बदला है। 2017 विधानसभा, 2019 लोकसभा और 2022 विधानसभा चुनाव में इस वर्ग का बड़ा हिस्सा भाजपा की ओर गया था। जबकि 2024 लोकसभा चुनाव में बड़ी संख्या में गैर-जाटव दलित मतदाता समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन की ओर झुकते दिखाई दिए। सपा चाहती है कि यही बदलाव 2027 तक स्थायी राजनीतिक समर्थन में बदल जाए ।हालांकि, यह रास्ता आसान नहीं है। भाजपा भी पिछले कई वर्षों से गैर-यादव पिछड़ों और दलित समुदायों में लगातार अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। सरकार और संगठन, दोनों स्तरों पर सामाजिक संतुलन बनाने की कोशिशें जारी हैं। दूसरी तरफ मायावती भी दलित-ब्राह्मण सोशल इंजीनियरिंग को नए रूप में फिर से खड़ा करने में जुटी हैं। ऐसे में दलित वोटों की लड़ाई इस बार त्रिकोणीय होने के पूरे आसार हैं। कांग्रेस भी इस मुकाबले में पीछे नहीं रहना चाहती। संविधान बचाओ अभियान, दलित प्रतीकों पर फोकस और दलित नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति के जरिए कांग्रेस भी दलित मतदाताओं में अपनी मौजूदगी मजबूत करने की कोशिश कर रही है। यदि 2027 में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन कायम रहता है, तो दोनों दलों की साझा रणनीति भाजपा और बसपा, दोनों के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि, समाजवादी पार्टी की इस पूरी रणनीति में एक जोखिम भी छिपा है। 2024 में टिकट वितरण के बाद भाजपा और बसपा को सपा की सामाजिक रणनीति समझने का ज्यादा मौका नहीं मिला था। लेकिन इस बार 2027 चुनाव से काफी पहले ही पार्टी की योजना सामने आ चुकी है। ऐसे में भाजपा और बसपा, दोनों के पास अपनी सामाजिक और चुनावी रणनीति बदलने के लिए पर्याप्त समय है। यही वजह है कि सपा का 'प्लान-100' जितना महत्वाकांक्षी दिख रहा है, उतनी ही कठिन उसकी राजनीतिक परीक्षा भी होगी।

अजय कुमार,

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7566

★☆☆☆☆ सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7565 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

दैनिक पंचांग

8 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.02 बजे से
चंद्र	मीन में	सिंह	08.18 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.30 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	12.41 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.56 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	17.12 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.17 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.03 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.36 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मेष	00.07 बजे से
		वृष	01.47 बजे से
		मिथुन	03.45 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 189 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि अष्टमी 12.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 16.00 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 12.38 बजे को समाप्त।
करण कौलव 12.22 बजे तदनन्तर तैतिल 23.35 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 30'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872764
जूलियन दिन 2461229.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सम्मान नहीं, रणनीतिक विश्वास की मुहर है 'बिंतांग आदिपूर्णा'

कूटनीति की असली ताकत हाथ मिलाने, औपचारिक स्वागत या साझा तस्वीरों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में दिखाई देती है, जिसे कोई राष्ट्र अपने सर्वोच्च सम्मान के जरिए सार्वजनिक रूप से स्वीकार करता है। जकार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा' से सम्मानित किया जाना ऐसा ही ऐतिहासिक क्षण था। फाइटर जेट्स की सलामी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के आत्मीय स्वागत ने स्पष्ट कर दिया कि भारत-इंडोनेशिया संबंध अब केवल साझा सांस्कृतिक विरासत तक सीमित नहीं हैं। यह सम्मान दोनों देशों के बीच रणनीतिक विश्वास, साझा भविष्य और क्षेत्रीय जिम्मेदारियों की नई साझेदारी का प्रतीक है। सदियों पुरानी मित्रता अब रक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, समुद्री सुरक्षा और आर्थिक सहयोग जैसे नए आधारों पर कहीं अधिक सशक्त होकर उभर रही है।

'बिंतांग आदिपूर्णा' स्वीकार करते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसे 140 करोड़ भारतीयों के नाम कर दिया। यही उस सम्मान का सबसे बड़ा अर्थ भी था। स्वतंत्र भारत में जवाहरलाल नेहरू (1995 में मरणोपरांत) के बाद वे दूसरे भारतीय प्रधानमंत्री हैं जिन्हें यह सम्मान मिला है। वर्ष 1959 में स्थापित यह अलंकरण उन व्यक्तित्वों को दिया जाता है, जिन्होंने इंडोनेशिया की एकता, स्थिरता और समृद्धि में उल्लेखनीय योगदान दिया हो। किसी विदेशी नेता का इससे सम्मानित होना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा, विश्वसनीय नेतृत्व और दोनों देशों के बीच गहरे होते रणनीतिक विश्वास का प्रमाण है। गणतंत्र दिवस 2025 पर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की भारत यात्रा के बाद हुआ यह जवाबी दौरा भी स्पष्ट करता है कि भारत-इंडोनेशिया संबंध अब केवल औपचारिक कूटनीति नहीं, बल्कि परिणाम देने वाली रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं।

इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि रक्षा सहयोग रही, जिसने भारत-इंडोनेशिया संबंधों को नई रणनीतिक ऊंचाई दी। दोनों देशों के बीच हुए 16 समझौतों में रक्षा क्षेत्र सबसे अहम रहा। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की अतिरिक्त बैटरियों की खरीद, एस्ट्रा बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल से जुड़े समझौते और संयुक्त उत्पादन की संभावनाओं ने साबित कर दिया कि भारत अब केवल हथियार आयातक नहीं, बल्कि विश्वसनीय रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदार बन चुका है। 'ऑपरेशन सिंदूर' में एस्ट्रा मिसाइल के युद्ध-प्रमाणित प्रदर्शन ने इंडोनेशिया का भरोसा और मजबूत किया। फिलीपींस के बाद इंडोनेशिया का ब्रह्मोस से जुड़ना भारत के रक्षा निर्यात के लिए एक और बड़ी उपलब्धि होगी। ये समझौते केवल हथियारों के सौदे नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक संतुलित, सक्षम और मजबूत बनाने की दिशा में निर्णायक कदम हैं।

रणनीतिक दृष्टि से साबांग पोर्ट का संयुक्त विकास इस यात्रा की सबसे दूरगामी उपलब्धियों में है। मलक्का जलडमरूमध्य के निकट स्थित यह बंदरगाह वैश्विक समुद्री व्यापार का अहम केंद्र है और ग्रेट निकोबार परियोजना से इसकी निकटता भारत के लिए इसे और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। इससे समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, नौवहन और व्यापारिक लॉजिस्टिक्स में दोनों देशों की क्षमता मजबूत होगी। वहीं, निकल, स्टील और रेयर अर्थ मैग्नेट्स जैसे क्रिटिकल मिनरल्स में निवेश पर सहमति भविष्य की औद्योगिक अर्थव्यवस्था के लिए निर्णायक कदम है। दुनिया के सबसे बड़े निकल उत्पादक इंडोनेशिया और ईवी व नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से बढ़ते भारत की यह साझेदारी चीन-निर्भर आपूर्ति श्रृंखला का प्रभावी विकल्प बन सकती है। यही सहयोग ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक आत्मनिर्भरता की मजबूत बुनियाद भी रखेगा।

डिजिटल सहयोग ने इस यात्रा को भविष्य की शासन व्यवस्था से जोड़ दिया। भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता इस दौरे में भी साफ दिखाई दी। यूपीआई के विस्तार, इंडोनेशिया के अनुरूप इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित करने और आईआईएम बेंगलुरु के साथ प्रबंधन व प्रशासनिक क्षमता निर्माण पर हुए समझौते आधुनिक सुशासन की नई दिशा दिखाते हैं। वहीं, इसरो-बीआरआईएन के बीच अंतरिक्ष सहयोग तथा कृषि, स्वास्थ्य, दूरसंचार और स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े समझौते बताते हैं कि भारत-इंडोनेशिया संबंध अब पारंपरिक कूटनीति से आगे बढ़कर नवाचार, प्रौद्योगिकी, ज्ञान और मानव संसाधन विकास पर आधारित व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं, जिसका लाभ आने वाले वर्षों में दोनों देशों को मिलेगा।

मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में यह साझेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। हिंद-प्रशांत आज रणनीतिक प्रतिस्पर्धा और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का प्रमुख केंद्र है। ऐसे दौर में स्वतंत्र, खुला और समृद्ध हिंद-प्रशांत के प्रति भारत और इंडोनेशिया का साझा संकल्प पूरे क्षेत्र को स्थिरता का सकारात्मक संदेश देता है। रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, मानवीय सहायता, आपदा प्रबंधन और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़े समझौते इस दृष्टि को ठोस आधार देते हैं। लगभग 24 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को अधिक संतुलित और व्यापक बनाने की दिशा में भी यह यात्रा महत्वपूर्ण साबित होगी। आर्थिक सहयोग, निवेश और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने वाले समझौते दोनों देशों के लिए नए अवसरों के साथ एशिया में संतुलित और टिकाऊ विकास की संभावनाओं को भी सुदृढ़ करते हैं।

दरअसल, यह यात्रा केवल एक सफल राजनयिक दौरा नहीं, बल्कि भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और 'महासागर' दृष्टि को नई दिशा देने वाला निर्णायक पड़ाव है। रामायण, प्रंबनन मंदिर और साझा सांस्कृतिक विरासत से जुड़े ऐतिहासिक रिश्ते अब रक्षा प्रौद्योगिकी, डिजिटल अवसंरचना, समुद्री सहयोग और आर्थिक लचीलेपन की आधुनिक साझेदारी में बदल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने साबित किया कि दूरदर्शी कूटनीति केवल वर्तमान की चुनौतियों का समाधान नहीं करती, बल्कि भविष्य की संभावनाओं की भी मजबूत नींव रखती है। 'बिंतांग आदिपूर्णा' महज एक सम्मान नहीं, बल्कि उस अटूट विश्वास का प्रतीक है, जिस पर भारत और इंडोनेशिया आने वाले दशकों की नई साझेदारी गढ़ रहे हैं। यह रिश्ता अब केवल भावनात्मक निकटता नहीं, बल्कि साझा हितों, रणनीतिक भरोसे, संयुक्त क्षमताओं और क्षेत्रीय उत्तरदायित्व पर आधारित है। यही साझेदारी दोनों देशों को एशिया ही नहीं, वैश्विक मंच पर भी नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखती है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नेपाल-कंबोडिया मानव तस्करी और साइबर अपराध के खिलाफ बढ़ाएंगे सहयोग

काठमांडू। नेपाल और कंबोडिया मानव तस्करी, साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी (स्कैम) अभियानों के खिलाफ आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपने दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया है। कंबोडिया के फ्नोम पेन्ह में एक उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठक के दौरान नेपाल के राजदूत धन बहादुर ओली ने कंबोडिया के विदेश मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय की स्थायी राज्य सचिव ईट सोफिया से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने सीमा पार संगठित अपराध से निपटने, खुफिया व सूचनाओं के आदान-प्रदान को मजबूत करने और संस्थागत क्षमता के निर्माण के लिए संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। नेपाली दूतावास के अनुसार राजदूत ओली ने कंबोडिया में चल रहे ऑनलाइन स्कैम सेंटरों से नेपाली नागरिकों को सुरक्षित निकालने में सहयोग के लिए कंबोडिया की शाही सरकार को धन्यवाद दिया। बैठक में सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग के विस्तार पर भी चर्चा की गई। हाल ही में नेपाल ने कंबोडियाई भागीदारों के सहयोग से नेपाल नेत्र ज्योति संघ और लुम्बिनी आई इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (राणा-अंबिका आई हॉस्पिटल) के संयुक्त प्रयासों से कंबोडिया के कम्पोंग चाम प्रांत में एक मुफ्त आंख उपचार शिविर का आयोजन किया था। कंबोडिया ने इस पहल की सराहना की, जबकि नेपाल ने कंबोडियाई नागरिकों की बढ़ती मांग को देखते हुए आंखों की देखभाल में तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने और एक और उन्नत नेत्र उपचार शिविर आयोजित करने की इच्छा जताई। दोनों पक्षों ने उपयुक्त द्विपक्षीय समझौतों और संस्थागत तंत्रों के माध्यम से व्यापार और निवेश को बढ़ावा देकर आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर भी चर्चा की। वे शिक्षा, कृषि और पर्यटन में सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर सहमत हुए। दोनों देशों के बीच पर्यटन की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए दोनों पक्षों ने भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी और कंबोडिया के प्रसिद्ध सांस्कृतिक व धार्मिक विरासत स्थल 'अंगकोर वाट' के बीच संपर्क को मजबूत करके बौद्ध और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। अधिकारियों ने मौजूदा सहयोग की समीक्षा करने और साझेदारी के नए क्षेत्रों की पहचान करने के लिए नेपाल और कंबोडिया के विदेश मंत्रालयों के बीच जल्द से जल्द 'द्विपक्षीय परामर्श तंत्र' की बैठक बुलाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

नेपाल में सत्तारूढ़ दल के संशोधित विधान में बड़ा बदलाव, प्रधानमंत्री बालेन्द्र पर शिकंजा कसा

काठमांडू। नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) ने अपने संशोधित पार्टी विधान में महत्वपूर्ण प्रावधान जोड़ा है। नए नियम के अनुसार यदि संसदीय दल का नेता यानी प्रधानमंत्री पार्टी अध्यक्ष के नीतिगत निर्देशों का पालन नहीं करता है, तो उसे पद से हटाया जा सकेगा। संशोधित विधान में पार्टी अध्यक्ष के काम, कर्तव्य और अधिकारों के तहत 'संसदीय दल के साथ समन्वय' को वैचारिक और राजनीतिक नेतृत्व का हिस्सा बनाया गया है। इसके तहत अध्यक्ष को यह अधिकार दिया गया है कि यदि वह स्वयं संसदीय दल का नेता नहीं है, तो भी वह संसद में पार्टी की आधिकारिक नीति, सिद्धांत, निर्णय और दृष्टिकोण के प्रभावी प्रतिनिधित्व तथा क्रियान्वयन के लिए संसदीय दल को आवश्यक नीतिगत मार्गदर्शन दे सकेगा। विधान में स्पष्ट उल्लेख है कि पार्टी अध्यक्ष द्वारा दिए गए ऐसे नीतिगत निर्देशों का पालन करना संसदीय दल, उसके नेता यानि प्रधानमंत्री और सभी सांसदों का अनिवार्य दायित्व होगा। इस प्रावधान के अनुसार, यदि पार्टी अध्यक्ष के निर्देशों की अवहेलना की जाती है, तो संबंधित संसदीय दल के नेता को पद से हटाने की कार्रवाई की जा सकती है। यह व्यवस्था विधान की धारा 68 (1) में शामिल की गई है। धारा में कहा गया है कि यदि संसदीय दल का नेता धारा 11(क) (3) के तहत पार्टी अध्यक्ष द्वारा दिए गए नीतिगत मार्गदर्शन का पालन नहीं करता है, तो उसे पदमुक्त किया जा सकता है। इसी धारा में अध्यक्ष को संसदीय दल को नीतिगत दिशा-निर्देश देने का अधिकार भी प्रदान किया गया है। इस नए प्रावधान के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने द्वारा जारी नीतिगत निर्देशों का पालन संसदीय दल के नेता और सभी आरएसपी सांसदों के लिए अनिवार्य होगा। यदि कोई नेता या सांसद इन निर्देशों की अनदेखी करता है, तो अध्यक्ष को उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए संसदीय दल के नेता को पद से हटाने का अधिकार प्राप्त होगा।

खराब मौसम के मद्देनजर एयर इंडिया ने यात्रियों के लिए जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित मुंबई और कई इलाकों में भारी बारिश के कारण हालात खराब हो चुके हैं। महाराष्ट्र के कई इलाकों में तो सरकार की तरफ से भी लोगों को सुरक्षा संबंधी निर्देश दिए जा रहे हैं। वहीं, नई दिल्ली में भारी बारिश को देखते हुए टाटा समूह की एयरलाइन एयर इंडिया ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। टाटा समूह की विमानन कंपनी एयर इंडिया ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर सहित कई इलाकों में भारी बारिश को देखते हुए यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एयरलाइन ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि खराब मौसम की वजह से दिल्ली आने-जाने वाली उड़ानों पर असर पड़ सकता है। यात्रा में कोई परेशानी न हो, इसके लिए हम यात्रियों को सलाह देते हैं कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले इस लिंक पर जाकर फ़्लाइट का ताज़ा स्टेटस देख लें: https://airindia.com/in/en/manage/flight-status.html आपकी समझदारी और सहयोग के लिए धन्यवाद। मौसम विभाग की तरफ से पहले ही नई दिल्ली सहित उसके आसपास के इलाकों के लिए आने वाले पांच दिनों में भारी बारिश और आंधी का अनुमान जताया गया है। आज भी कई इलाकों में भारी बारिश शुरू हो चुकी है। इस बारिश से भले गर्मी से लोगों को राहत मिली लेकिन भारी बारिश की चेतावनी ने लोगों की चिंता भी बढ़ा दी है। मौसम विभाग की तरफ से दिल्ली के कई जिलों के लिए सात, आठ और नौ जुलाई के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

देश ने कारगिल के 'शेरशाह' कैप्टन विक्रम बत्रा को उनके बलिदान दिवस पर किया याद, शीर्ष नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कारगिल युद्ध के महानायक, परमवीर चक्र से सम्मानित कैप्टन विक्रम बत्रा के बलिदान दिवस पर मंगलवार को पूरे देश ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सहित केंद्र सरकार के कई मंत्रियों, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और अन्य राजनीतिक नेताओं ने कारगिल के 'शेरशाह' के नाम से विख्यात इस वीर सपूत के अदम्य साहस, अद्वितीय नेतृत्व, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। नेताओं ने कहा कि कैप्टन विक्रम बत्रा का जीवन और उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए राष्ट्रसेवा, कर्तव्यनिष्ठा और देशभक्ति का अमिट आदर्श है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान दुर्गम पर्वतीय चोटियों पर कैप्टन विक्रम बत्रा ने असाधारण साहस, निडर नेतृत्व और अटूट राष्ट्रभक्ति का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा सदैव देशवासियों को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देती रहेगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण दुर्गम चोटियों पर विजय प्राप्त कर दुश्मनों को पीछे हटने पर मजबूर करने वाले परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा का अदम्य साहस, अटूट संकल्प और अप्रतिम पराक्रम उन्हें 'शेरशाह' के रूप में अमर बनाता है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि के प्रति उनका सर्वोच्च बलिदान प्रत्येक भारतीय को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता रहेगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कैप्टन विक्रम बत्रा की शौर्यगाथा युगों-युगों तक देश की भावी पीढ़ियों को मातृभूमि की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देती रहेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर वीरता की ऐसी अमिट मिसाल स्थापित की, जो प्रत्येक भारतीय को 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ देशसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

देश के 18 शहरों में अब पानी में चलेगी मेट्रो, साकार होगा "वाटर मेट्रो मैन" का सपना

नई दिल्ली

- अप्रैल 2023 में कोच्चि में शुरू हुई थी पहली वाटर मेट्रो सेवा
- पूर्व बहुचर्चित आईपीएस अधिकारी व कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड (केएमआरएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक लोकनाथ बेहरा की पहल का असर
- लोकनाइ बेहरा को "एक्वा मैन ऑफ इंडिया" तथा "वाटर मेट्रो मैन ऑफ इंडिया" के रूप में मिली है पहचान

वह दिन दूर नहीं जब मेट्रो सेवा का लुत्फ आप पटना, अयोध्या, वाराणसी, प्रयाग में गंगा की लहरों के साथ श्रीनगर के डल झील पर भी उठा सकते हैं। केंद्र सरकार ने इसके लिए संभावनाओं की तलाश तेज कर दी है और शुरूआत में देश भर के 18 शहरों को इस वाटर मेट्रो सेवा के लिए उपर्युक्त माना गया है। अभी वाटर मेट्रो सेवा केरलम के कोच्चि में संचालित किया जा रहा है। जिसका श्रेय कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड (केएमआरएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक लोकनाथ बेहरा और उनकी टीम को जाता है। जिनकी पहल से कोच्चि में यह सेवा अप्रैल 2023 से शुरू हो पाई और यही वजह है कि उन्हें "एक्वा मैन ऑफ इंडिया" तथा "वाटर मेट्रो मैन ऑफ इंडिया" के नाम से पहचान मिली। क्योंकि, भारत में जहां दशकों तक सड़क, रेल और हवाई परिवहन को ही विकास का प्रमुख आधार माना जाता रहा, वहीं लोकनाथ बेहरा ने यह सोच विकसित की कि देश की विशाल नदियां, झीलें, बैकवाटर्स और अंतर्देशीय जलमार्ग केवल प्राकृतिक संसाधन या पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि आधुनिक सार्वजनिक परिवहन के प्रभावी माध्यम भी बन सकते हैं। इसी सोच ने भारत की पहली एकीकृत कोच्चि वाटर मेट्रो परियोजना को जन्म दिया। आपको बता दें कि लोकनाथ बेहरा 1985 बैच के आईपीएस अधिकारी रहे हैं और 2009 में गठित हुई एनआईए के संस्थापक सदस्य में एक रहे हैं। यही नहीं साल 2008 में हुए मुंबई ब्लास्ट के मास्टर माइंड आतंकी डेविड हेडली को पकड़ने अमेरिका जाने वाली टीम के भी हिस्सा रह चुके हैं। साल 2001 से वह कोच्चि मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हैं। बिहार के पटना में यह सेवा दीघा घाट से पटना सिटी के कंगन घाट तक चलाई जाएगी। बीच में इसके प्रमुख स्टॉपेज गांधी घाट और गाय घाट होंगे। इसका शुरुआती किराया लगभग 20 के करीब तय किए जाने की योजना है। दूसरे चरण में इसका विस्तार दानापुर और सोनपुर (हरिहरनाथ) तक किया जाएगा।

एक बार में 75 यात्री कर सकते हैं सफर: यह अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक जहाज 42 मीटर लंबा और वातानुकूलित (AC) है, जिसमें 50 यात्रियों के बैठने और 25 यात्रियों के खड़े होने (कुल 75 लोग) की क्षमता है। सुरक्षा के लिए सीसीटीवी, एलसीडी स्क्रीन, साउंड सिस्टम और बड़ी कांच की खिड़कियां लगाई गई हैं, ताकि यात्री आराम से गंगा और घाटों का नजारा देख सकें।

कोच्चि से शुरू हुई नई परिवहन क्रांति: लोकनाथ बेहरा के नेतृत्व में विकसित कोच्चि वाटर मेट्रो पारंपरिक फेरी सेवा नहीं, बल्कि आधुनिक, तकनीक-आधारित और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के रूप में तैयार की गई। इसमें अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक नौकाएं, आधुनिक टर्मिनल, डिजिटल टिकटिंग, एकीकृत यात्री सेवाएं तथा मेट्रो रेल एवं अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों के साथ समन्वित संचालन की व्यवस्था विकसित की गई। इस परियोजना ने न केवल सड़कों पर बढ़ते ट्रैफिक का विकल्प प्रस्तुत किया, बल्कि द्वीपों और जल क्षेत्रों में रहने वाले हजारों लोगों को शहर की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनकी यात्रा को आसान, सस्ती और सुरक्षित बनाया। इससे कार्बन उत्सर्जन में कमी, ईंधन की बचत तथा पर्यावरण संरक्षण को भी महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान: कोच्चि वाटर मेट्रो की सफलता ने देश-विदेश के नीति निर्माताओं, शहरी परिवहन विशेषज्ञों और पर्यावरणविदों का ध्यान आकर्षित किया। लाखों यात्रियों ने इस सेवा का लाभ उठाया और इसे आधुनिक, आरामदायक तथा विश्वस्तरीय सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के रूप में सराहा। आज अनेक सरकारी प्रतिनिधिमंडल और विशेषज्ञ दल कोच्चि पहुंचकर इस मॉडल का अध्ययन कर रहे हैं, ताकि इसे अपने-अपने राज्यों और शहरों में लागू किया जा सके।

कई राज्यों में तैयार हो रहा वाटर मेट्रो का रोडमैप: कोच्चि मॉडल की सफलता के बाद देश के कई राज्यों में वाटर मेट्रो की संभावनाओं का अध्ययन शुरू हो चुका है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, असम के डिब्रूगढ़ और तेजपुर। श्रीनगर के डल झील, उत्तर प्रदेश के वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या और बिहार के पटना के गंगा में चलाने की तैयारी है। पटना के गंगा में इसे घाट और शहरा आवागमन के लिए चलाने की योजना है। वहीं वाराणसी में घाट, पर्यटन क्षेत्र, व्यस्त नदी तट क्षेत्र, अयोध्या में मंदिर पर्यटन क्षेत्र और प्रयागराज में इसे संगम क्षेत्र और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक क्षेत्र में चलाने की योजना पर काम चल रहा है।

प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार ने भी सराहा मॉडल: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अप्रैल 2023 में कोच्चि वाटर मेट्रो को राष्ट्र को समर्पित करते हुए इसे देश के हरित और बहु-माध्यमीय परिवहन तंत्र की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया था। वहीं जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनवाल ने भी विभिन्न राज्यों में इस मॉडल को अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए इसे देश के अंतर्देशीय जलमार्ग विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया है। इसके अलावा असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा ने असम के गुवाहाटी, डिब्रूगढ़ और तेजपुर जैसे शहरों में वाटर मेट्रो की संभावनाओं की सार्वजनिक रूप से सराहना की है।

एकीकृत परिवहन प्रणाली पर विशेष जोर: लोकनाथ बेहरा का मानना है कि भविष्य का सार्वजनिक परिवहन केवल एक माध्यम पर आधारित नहीं हो सकता। उनके अनुसार मेट्रो रेल, बस सेवा, जलमार्ग, पैदल यात्री सुविधाएं और साझा टिकटिंग प्रणाली को एकीकृत कर ही प्रभावी, किफायती और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था विकसित की जा सकती है। इसी सोच के आधार पर कोच्चि वाटर मेट्रो को मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम के रूप में विकसित किया गया, जो आज देश की प्रस्तावित राष्ट्रीय वाटर मेट्रो नीति के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदर्भ मॉडल बन चुका है।

नई अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसर: विशेषज्ञों का मानना है कि यदि राष्ट्रीय स्तर पर वाटर मेट्रो नेटवर्क विकसित होता है तो इससे इलेक्ट्रिक नौका निर्माण, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक टर्मिनल, परियोजना प्रबंधन, जलमार्ग इंजीनियरिंग, पर्यावरण संरक्षण और शहरी परिवहन जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

भारत के जल परिवहन की नई पहचान: विश्लेषकों के अनुसार लोकनाथ बेहरा की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल कोच्चि वाटर मेट्रो का निर्माण नहीं, बल्कि भारत की सोच को बदलना है। उन्होंने नदियों और बैकवाटर्स को पर्यटन तक सीमित रखने की बजाय उन्हें आधुनिक सार्वजनिक परिवहन के प्रभावी माध्यम के रूप में स्थापित किया है। आज जब भारत स्वच्छ, स्मार्ट और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, तब कोच्चि वाटर मेट्रो एक राष्ट्रीय मॉडल बनकर उभरी है। इस परिवर्तनकारी पहल के पीछे लोकनाथ बेहरा की दूरदृष्टि, प्रशासनिक क्षमता और नवाचारपूर्ण नेतृत्व को देखते हुए उन्हें "भारत के एक्वा मैन" तथा "वाटर मेट्रो मैन ऑफ इंडिया" के रूप में व्यापक पहचान मिल रही है। यदि आने वाले वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों में वाटर मेट्रो परियोजनाएं सफलतापूर्वक लागू होती हैं, तो भारतीय शहरी परिवहन के इतिहास में लोकनाथ बेहरा का नाम उस दूरदर्शी नेतृत्व के रूप में दर्ज होगा, जिसने जलमार्गों को विकास, कनेक्टिविटी और हरित भविष्य का नया माध्यम बनाया।

नासिक में बादल फटने का खतरा टला, गुजरात के लिए चेतावनी जारी

एजेंसी, मुंबई

नासिक में बादल फटने का संभावित खतरा अब टल गया है, क्योंकि भारी बारिश का मुख्य केंद्र गुजरात के सूरत की ओर बढ़ गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इसके चलते गुजरात के कई जिलों में 'रेड अलर्ट' जारी किया है। इन जिलों में अगले 24 घंटों में अत्यंत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। विभाग ने मंगलवार को कहा कि बादल अहिल्यानगर होते हुए गुजरात के सूरत की ओर सरक रहे हैं। इससे नासिक जिले पर फिलहाल बादल फटने का खतरा फिलहाल टल गया है, लेकिन जिले में तेज बारिश के लिए अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही मुंबई , ठाणे, पालघर , पुणे, रायगढ़ , सातारा और रत्नागिरी में बारिश के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

भारतीय मौसम विभाग के अधिकारी अनुपम कश्यपी ने बताया कि नासिक जिले के त्र्यंबकेश्वर इलाके छाए करीब 450 एमएम के बादल धीरे -धीरे अहिल्यानगर होते हुए गुजरात की ओर सरक रहे हैं। साथ ही मुंबई सहित महाराष्ट्र के कई जिलों में बुधवार तक भारी बारिश की संभावना है। विदर्भ के कई जिलों में रुक-रुक कर बारिश की भी संभावना है।

इस चेतावनी को देखते हुए नासिक डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर आयुष प्रसाद ने प्रशासन को चुस्त और सतर्क रहने का आदेश दिया है। आयुष प्रसाद ने नागरिकों को मौसम में बदलाव को देखते हुए बिना वजह अपने घरों से बाहर न निकलने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोगों को नासिक और त्र्यंबकेश्वर इलाकों में घूमने के लिए झरनों, नदियों या घाटों पर जाने से पूरी तरह बचना चाहिए।

इस बीच, आज सुबह 7 बजे से नासिक के त्र्यंबकेश्वर, इगतपुरी, पेठ इलाकों में बारिश जारी है, वहीं नासिक में गोदावरी नदी भी दो धाराओं में बह रही है। । नासिक में पूरी रात हो रही बारिश की वजह से गोदावरी नदी के जलस्तर में वृद्धि हुी है। रामकुंड और गांधी झील जलमग्न है। सुबह धार्मिक रस्मों के लिए आने वाले टूरिस्ट अपनी जान जोखिम में डालकर यहां पूजा-पाठ करते दिखे। । प्रशासन की अपील के बावजूद टूरिस्ट अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं।

मौसम विज्ञान विभाग की घोषणा के अनुसार, नासिक जिले में भारी बारिश, लैंडस्लाइड और संभावित हादसों को रोकने के लिए प्रशासन ने डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट 2005 के तहत, असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर और सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट, कलवन ने 7, 8 और 9 जुलाई 2026 के दौरान श्री सप्तश्रृंगगढ़ धार्मिक स्थल, झरनों, ट्रेकिंग पॉइंट्स, नदी के किनारों और टूरिस्ट जगहों पर एंट्री पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं।

कांग्रेस ने कोरोहेल्थ में 900 कर्मचारियों की छंटनी पर लेबर कोड को बताया मजदूर विरोधी

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने अमेरिका की हेल्थकेयर एनालिटिक्स कंपनी कोरोहेल्थ द्वारा केरल के कोच्चि और कोझिकोड स्थित ब्रांच में करीब 900 मेडिकल कर्मचारियों की अचानक छंटनी को मजदूर वर्ग के लिए चेतावनी बताया। उन्होंने कहा कि इस घटना से स्पष्ट है कि नई श्रम संहिताएं मजदूरों के अधिकारों को कुचलने वाले काले कानून हैं, जो लाखों लोगों को बर्बादी की ओर धकेल देंगे।

वेणुगोपाल ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि एक ही सुबह पूरी श्रमशक्ति को सेवा समाप्ति और पूर्ण एवं अंतिम निपटान पत्र (फुल एंड फाइनल टर्मिनेशन लेटर) थमा दिए गए और गलत तरीके से मुआवजा देकर नौकरी से निकाल दिया गया। इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड में कर्मचारी की परिभाषा केवल 18,000 रुपये से कम कमाने वालों तक सीमित है, जिससे आईटी कर्मचारियों जैसे अधिकांश लोग इसके दायरे से बाहर हो जाते हैं। इतना ही नहीं, निश्चित अवधि के अनुबंध को कानूनी मान्यता देकर स्थायी कर्मचारियों को अस्थायी और 'हायर-ऑर-फायर' व्यवस्था में बदलने का रास्ता खोल दिया गया है।

कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने ये श्रम संहिताएं बड़े कॉरपोरेट घरानों की सुविधा के लिए बनाए हैं और मेहनतकश मजदूरों के अधिकारों को कुचलने के लिए लागू किए हैं।

मानव तस्करी-अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड नेटवर्क मामले में एनआईए की छापेमारी

एजेंसी, पटना

मानव तस्करी और अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड नेटवर्क से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में छापेमारी की। फेनहरा थाना क्षेत्र के कालूपाकड़ गांव स्थित आरोपित मोहम्मद कलामुद्दीन के घर पर एनआईए की टीम ने करीब पांच घंटे तक तलाशी अभियान चलाया और उससे विस्तृत पूछताछ की। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह एनआईए की टीम सुरक्षा बलों के साथ कालूपाकड़ गांव पहुंची और घर को घेरकर तलाशी शुरू की। इस दौरान परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ की गई तथा कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों और डिजिटल उपकरणों की जांच की गई।

जांच एजेंसी के अनुसार, मोहम्मद कलामुद्दीन पर युवकों को विदेश में आकर्षक नौकरी का झांसा देकर कंबोडिया भेजने वाले नेटवर्क से जुड़े होने का आरोप है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह गोपालगंज के एक युवक के संपर्क में आया था और उसके माध्यम से लोगों को विदेश भेजने की प्रक्रिया में सहयोग करता था। आरोप है कि वह कंबोडिया जाने वाले युवकों के टिकट और यात्रा संबंधी व्यवस्थाएं कराने में भी मदद करता था। एनआईए की जांच में यह भी सामने आया है कि कंबोडिया पहुंचने के बाद कई भारतीय युवकों को कथित तौर पर उनकी इच्छा के विरुद्ध बंधक बनाकर रखा जाता था।

चढ़ावा मामले में राम मंदिर ट्रस्ट भंग किया जाए सुप्रीम कोर्ट के जज करें पूरे मामले की जांच: कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने कहा है कि अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला अत्यंत गंभीर होने के कारण ट्रस्ट को तत्काल भंग करके नये ट्रस्ट का गठन किया जाना चाहिए। उन्होंने इस पूरे मामले की जांच उच्चतम न्यायालय के किसी मौजूदा या सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराने की मांग की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि नये ट्रस्ट में संतों और धर्माचार्यों को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला अब गांव-गांव तक पहुंच चुका है। राम मंदिर से देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं जुड़ी हैं, लेकिन इस मामले ने लोगों की आस्था को गहरी ठेस पहुंचाई है। मंदिर ट्रस्ट का गठन एकतरफा तरीके से किया गया और उसमें जवाबदेही की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं रखी गई।

उन्होंने कहा कि यदि यह केवल लापरवाही का मामला था तो फिर प्राथमिकी दर्ज करने, विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने और गिरफ्तारियां करने की आवश्यकता क्यों पड़ी। ट्रस्ट की बैठकों में चोरी को लापरवाही बताया गया, जबकि घटनाक्रम इससे कहीं अधिक गंभीर सवाल खड़े करता है। गहलोत ने आरोप लगाया कि संबंधित लोगों को चोरी की जानकारी पहले से थी, लेकिन मामले को दबाने की कोशिश की गई।

ट्रस्ट और केंद्र सरकार को इस मामले पर पारदर्शी जवाब देना चाहिए, क्योंकि अब तक केवल लीपापोती की जा रही है। जब राम मंदिर निर्माण और उससे जुड़े कार्यक्रमों का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिया था, तो अब विवाद सामने आने पर उन्हें भी जवाबदेही स्वीकार करनी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष की ओर से स्पष्ट जवाब नहीं दिया जा रहा है। मंदिर परियोजना के शुरुआती दौर में भूमि खरीद से जुड़े विवाद भी सामने आए थे, जहां दो करोड़ रुपये की जमीन 18 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के आरोप लगे थे। राम मंदिर के संचालन के लिए धार्मिक संतों और धर्माचार्यों को शामिल कर नया ट्रस्ट गठित किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री से इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ने और देश के सामने अपनी स्थिति स्पष्ट करने की भी मांग की।

मप्र के मैहर में चलते ट्रक में पीछे से घुसी तेज रफ्तार एक्सयूवी कार, पांच युवकों की मौत

एजेंसी, मैहर

मध्य प्रदेश के मैहर जिले में सोमवार देररात नेशनल हाइवे-30 पर हुए सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा नादन देहात थाना क्षेत्र के रिगरा गांव के पास देररात करीब 2 बजे हुआ। तेज रफ्तार महिंद्रा एक्सयूवी-700 आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर में एसयूवी के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी छह युवक वाहन के अंदर फंस गए।

सूचना मिलते ही डायल-112, हाइवे पेट्रोलिंग और नादन देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी युवकों को वाहन से बाहर निकाला गया। इनमें पांच की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि गंभीर रूप से घायल एक युवक को अमरपाटन सिविल अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए सतना रेफर किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सभी युवक अमरपाटन जनपद उपाध्यक्ष मनोज पटेल का जन्मदिन मनाकर लौट रहे थे। हादसे ने कुछ ही पलों में जश्न की खुशियों को मातम में बदल दिया। पुलिस ने मृतकों की पहचान अंकुर पटेल (40) पुत्र गोविंद पटेल, मृदुल पटेल (32) पुत्र महेंद्र पटेल, विजय पटेल (30) पुत्र नागेंद्र पटेल, हरीशंकर पटेल (25) पुत्र नागेंद्र पटेल और शिवा पटेल (23) पुत्र संजू पटेल के रूप में की है। चार युवक मैहर जिले के तनाजा के रहने वाले थे, जबकि शिवा पटेल नरोरा गांव के थे। हादसे में ओम पटेल गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जान गंवाने वाले सभी युवक पूर्व विधायक स्वर्गीय लालजी भाई पटेल और पूर्व कांग्रेस विधायक स्वर्गीय मथुरा पटेल के परिवार से जुड़े बताए जा रहे हैं। अंकुर पटेल खेती के साथ व्यवसाय करते थे। मृदुल पटेल वेयरहाउस का संचालन करते थे। विजय पटेल जबलपुर में नौकरी करते थे। हरीशंकर पटेल खेती करते थे। संजीव पटेल नौकरी करते थे। ट्रक चालक चितरंजन दास चंदेल के अनुसार, ट्रक लगभग 40-45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहा था। अचानक पीछे से तेज गति से आ रही एक्सयूवी ट्रक में आकर भिड़ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक के पीछे के दोनों टायर क्षतिग्रस्त हो गए, हालांकि वाहन पलटने से बच गया।प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और सामने चल रहे वाहन से पर्याप्त दूरी नहीं बनाए जाने को दुर्घटना का संभावित कारण माना जा रहा है। हादसे के बाद हाइवे पर कुछ देर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कराया गया। नादन देहात थाना प्रभारी पंचराज सिंह ने बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है।

08-07-2026 T.P. Page 8_Layout 1 08-07-2026 08:37 Page 1

कब और किसने बनाई थी दुनिया की सबसे पहली घड़ी

आज के समय में घड़ी पहनना केवल समय देखने का जरिया नहीं, बल्कि स्टाइल और स्टेटस भी बन गया है। बाज़ार में सस्ती से लेकर करोड़ों की कीमत वाली घड़ियां मिल जाती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया की सबसे पहली घड़ी कब और किसने बनाई थी?

दुनिया की पहली घड़ी

दुनिया की सबसे पहली घड़ी को 'वॉच 1505' या 'पोमैंडर वॉच' के नाम से जाना जाता है। इसे जर्मन पीटर हेनलेन ने बनाया था। उन्होंने यह घड़ी साल 1505 में तैयार की थी, यानी आज से लगभग 520 साल पहले। पीटर हेनलेन को दुनिया का पहला घड़ी निर्माता भी माना जाता है।

सेब के आकार की अनोखी घड़ी

इस घड़ी का आकार किसी सेब जैसा गोल था। इसे पोमैंडर घड़ी कहा गया क्योंकि यह पोमैंडर (एक प्रकार की खुशबू रखने वाला बॉलनुमा डिब्बा) की तरह दिखती थी। यह घड़ी बहुत ही छोटी और पॉकेट में रखने लायक थी, जिसे लोग गले में लटकाकर भी पहनते थे।

कबाड़ से मिली बेशकीमती विरासत

साल 1987 में लंदन के कबाड़ी बाज़ार से एक युवक ने मात्र 10 पाउंड में यह घड़ी खरीदी थी। शुरुआत में किसी को यह नहीं पता था कि यह दुनिया की सबसे पहली घड़ी है। वह युवक उसे कई सालों तक अपने पास रखे रहा और बाद में बेच दिया। यह घड़ी कई हाथों से गुजरती रही, लेकिन 2002 में जब यह एक रिसर्चर के पास पहुंची, तब असली पहचान सामने आई। घड़ी पर '1505' साल अंकित था और पीटर हेनलेन के हस्ताक्षर भी खुद पर मौजूद थे। इससे यह पुष्टि हुई कि यही दुनिया की पहली घड़ी है।

आज की कीमत करोड़ों में

यह अनमोल घड़ी कॉपर और सोने से बनी थी। साल 2014 में इसकी कीमत 50 से 80 मिलियन डॉलर यानी लगभग 381 से 611 करोड़ रुपये के बीच थी।

दुनिया की सबसे महंगी चाय!

कई खासियतों से है भरपूर

चाय एक ऐसी चीज है जिसका भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में प्रचलन है। अपनी सुबह की शुरुआत करनी हो या फिर शाम की थकान मिटानी हो, चाय हर किसी की साथी है। कुछ लोग तो खाना खाए बिना रह सकते हैं लेकिन चाय के बिना नहीं रह सकते। चाय भी अलग-अलग वैरायटी की मिलती है। हम अपने घर में जो पीते हैं उसका स्वाद अलग होता है। मार्केट में ये अलग की मिलती है और अब तो इसके फ्लेवर भी आने लगे हैं। अपने अलग-अलग तरह की चाय जरूर पी होगी। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी चाय के बारे में बताते हैं। जिसकी कीमत सुनकर आप सोचने पर मजबूर हो जाएंगे।

दुनिया की सबसे महंगी चाय

आज हम आपको दुनिया की सबसे महंगी चाय के बारे में बताने जा रहे हैं। यह दा होंग पाओ है, जो चीन की दुर्लभ किस्म है। ये फुजियान प्रांत की वुई पर्वत श्रृंखला पर उगाई जाती है। इसकी सुगंध और स्वाद इसे खास बनाने का काम करती है। इसके अलावा इसे अपने औषधीय गुणों की वजह से भी पहचाना जाता है। इसकी पत्तियां पारंपरिक तरीके से तैयार होती है जो इसे बाकी चाय से अलग बनाती है।

कितनी है कीमत

इस चाय की कीमत की बात करें तो यह लाखों नहीं बल्कि करोड़ों में मिलती है। इसे खरीदने के लिए आपको 8 से 9 करोड रुपए खर्च करना होंगे। इतनी ज्यादा कीमत की चाय खरीदना किसी करोड़पति के बस की बात भी नहीं है। अगर इसका छोटा सा सैंपल भी लेना है तो भी करोड़ों खर्च हो जाएंगे इसलिए हर कोई इसे नहीं खरीद सकता।

इसकी खासियत

यह चाय सदियों पुरानी चाय की झाड़ियां से तैयार की जाती है। पुराने समय में चीनी सम्राट विशेष अवसरों पर इसका इस्तेमाल करते थे। इसमें एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं इसके अलावा बेहतरीन स्वाद और तनाव दूर करने वाले तत्व भी इसमें मौजूद है। यह चाय के चैंपियन के नाम से मशहूर है। इसकी बहुत सीमित झाड़ियां मौजूद है जिसकी वजह से इन्हें संरक्षित घोषित किया गया है।

दुनिया में सबसे तेज है इनकी नजर?

आंखों में छुपा है विज्ञान का कमाल

अगर बात बेहतरीन नजर के निकले तो हर किसी का कंफ्यूज होना बनता है। अगर आपसे कोई पूछेगा की सबसे तेज नजर किसकी है तो आप बोलेंगे जिसे चश्मा नहीं है उसकी नजर तेज है। वैसे यह जवाब सही नहीं कहा जा सकता क्योंकि इंसानों तक तो ठीक है लेकिन अलग-अलग जानवरों की आंखें अलग-अलग जरूरत के हिसाब से विकसित हुई है। जैसे हम में से हर इंसान का एनर्जी लेवल और शारीरिक बनावट अलग है इस तरह से जानवरों में भी ये चीज देखने को मिलती है। आंखें शरीर का सबसे जरूरी हिस्सा होती है। जानवरों में जो आंखें विकसित हुई है उनमें से कुछ दूरी की चीज बखूबी से देख सकती है तो कुछ को रंगों की पहचान सबसे तेज हो जाती है। क्या आपने कभी यह सोचा है कि ऐसा कौन सा जानवर होगा जिसकी आंखें सबसे तेज होती है? अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं।

सबसे तेज नजर का पक्षी

दुनिया में अगर सबसे तेज किसी जानवर की नजर है तो वह ईगल्स, हॉक और फॉल्कन जैसे शिकारी पक्षी हैं। यह आसमान में उड़ते हुए सैकड़ो फीट नीचे अपने शिकार को बहुत आसानी से देख लेते हैं।

इंसान की आंखों की तुलना में इनकी आंखें 3 से 5 गुना ज्यादा डिटेल में देख सकती है। जैसे हम दूरबीन से चीजों को देखते हैं वैसा ही वजन उनकी आंखों में मौजूद है।

आंखों की खूबियां

उनकी आंखों की खूबियों की बात करें तो सबसे पहली बात तो शरीर के अनुपात में उनकी आंखे ज्यादा बड़ी होती है। वही दूसरा यह है कि उनके रेटिना में फोटोरिसेप्टर की संख्या ज्यादा होती है। यह प्रकाश पकड़ने वाली कोशिकाएं होती है जो देखने में सहायता करती है। यही कारण है कि यह बहुत दूरी से सब कुछ आसानी से देख लेते हैं।

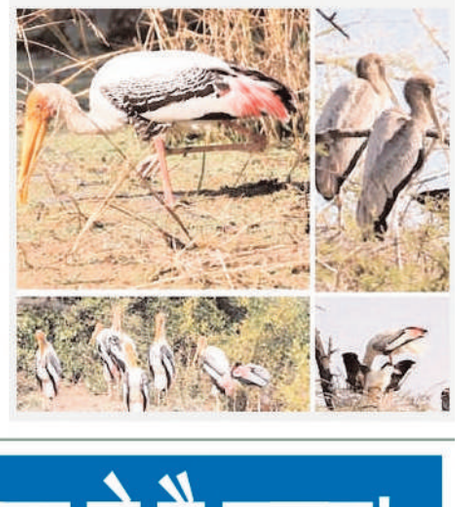

पानी में चोंच डाले खड़ा रहता है यह पक्षी

महाबक या पेंटेड स्टोर्क्स नाम का यह पक्षी पतली सी टहनियों पर बैठकर कसरत करता रहता है। ये मुख्यत: तालाब के आसपास पेड़ों पर संतुलन बनाते हुए दिखाई दे जाते हैं। अपनी बड़ी बड़ी टांगें और बड़े से पंख दोनों का उपयोग करके पतली सी टहनियों पर उन्हें कसरत करते देखना बड़ा ही विचित्र दृश्य होता है। पेंटेड स्टोकं एक बहुत ही खूबसूरत और मोहक सा पक्षी है। आप अगर कभी इसे तालाब के ऊपर हवा में चक्कर काटते देखेंगे तो समझ जाएंगे कि यह कितना राजसी पक्षी है। हिंदी भाषा में पेंटेड स्टोर्क को दोख, कंकरी या जांधिल भी कहा जाता है वही संस्कृत में इसे कंटसारंग या फिर काचाक्ष कहते है। शरीर श्वेतवर्ण का और वक्षस्थल पर होती हैं एक चौड़ी काली सी पट्टी। इसके पंख काले और सफेद व पूंछ के पास होते हैं। पंख हल्के गुलाबी रंग के होते हैं।

कहां पाया जाता है?

पेंटेड स्टोर्क हमारे देश में बारह मास ही रहता है। यह पक्षी स्थानिक प्रवासन यानी माइग्रेशन करते हैं। छिछले जलाशय और तालाब के किनारे इसको भाते हैं। जलाशयों में यह अपनी चोंच पानी में डाले खड़ा रहता है और मछली या भोंने पकड़कर खाता है। प्रजनन के समय यह पंछी 100-150 के समूहों में 8-10 पेड़ों पर अपनी कॉलोनी बसा लेते हैं। बहुत बार अन्य प्रजाति के बगलों और पेलिकन का भी इनकी कॉलोनियों में सहभाग रहता है। महाबक मुख्य रूप से मांसाहारी होते हैं और दलदली इलाकों, झीलों और नदियों के पास रहते हैं। भारत में मुख्य रूप से काले रंग का 'कृष्ण महाबक' और 'चित्रित महाबक' पाए जाते हैं।

मुख्य विशेषताएं:

आवास: ये अक्सर नम भूमि, जलाशयों और प्रवासी स्थलों पर पाए जाते हैं।

आहार: इनका मुख्य भोजन मछलियाँ, मेंढक, कीड़े-मकौड़े और छोटे जलीय जीव होते हैं।

प्रजातियां:

कृष्ण महाबक : यह एक सुंदर, लंबे पैरों वाला पक्षी है जो अपने काले (सुरमई) रंग के लिए जाना जाता है।

चित्रित महाबक : इसके पंखों पर आकर्षक और रंग-बिरंगे पैटर्न होते हैं।

हाई स्पीड ट्रेनों पर पानी क्यों छिड़का जाता है? सफाई ही नहीं बल्कि ये है वजह!

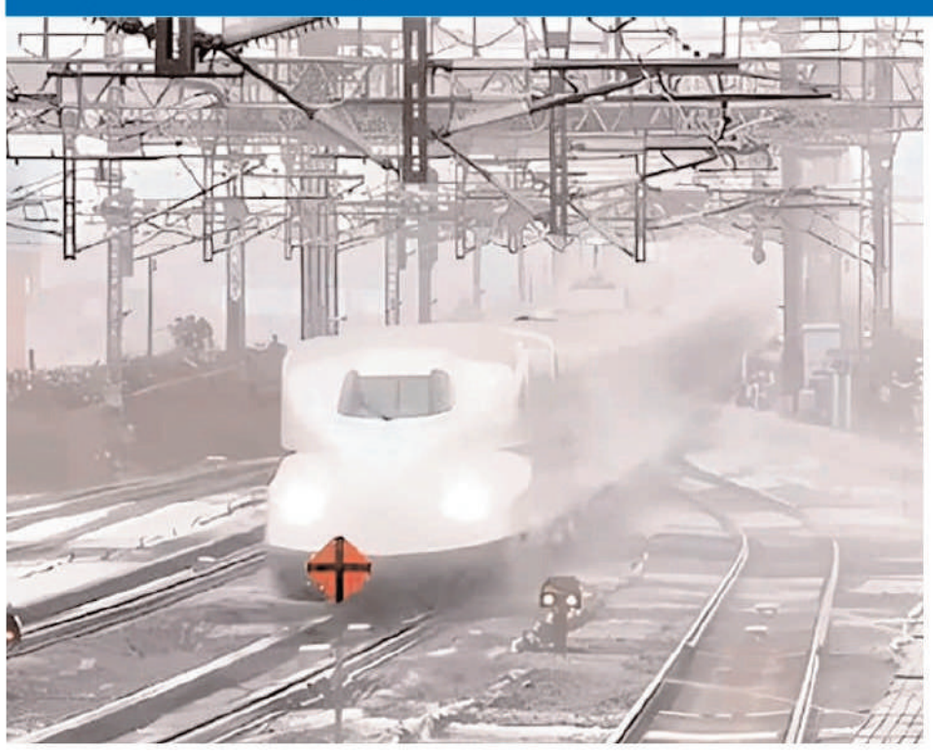

हाई स्पीड ट्रेनों को चमकदार और सुरक्षित रखने के लिए उन पर पानी छिड़का जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये सिर्फ सफाई के लिए नहीं है? जापान की शिंकानसेन और यूरोप की अलङ्क जैसी ट्रेनों पर पानी छिड़कने के पीछे तकनीकी और परफॉर्मेंस से जुड़े कई कारण हैं। ये प्रक्रिया ट्रेनों को तेज़, सुरक्षित और टिकाऊ बनाए रखती है। आइए जानते हैं इसके पीछे की पूरी कहानी। हाई स्पीड ट्रेनें, जैसे जापान की शिंकानसेन या फ्रांस की TGV, 300 किमी/घंटा से भी ज्यादा की रफ्तार से दौड़ती हैं। ऐसी रफ्तार पर ट्रेन का हर हिस्सा परफेक्ट हालत में होना जरूरी है। पानी छिड़कना इन ट्रेनों की मेंटेनेंस का अहम हिस्सा है। ऑटोमैटिक वाशिंग प्लांट्स में ट्रेनों पर प्रेशर वॉटर और ब्रश से सफाई की जाती है। लेकिन ये सिर्फ धूल हटाने के लिए नहीं, बल्कि ट्रेन को ठंडा करने, घर्षण कम करने और सुरक्षा बढ़ाने के लिए भी है। ये प्रक्रिया ट्रेनों को जंग से बचाती है और उनकी एयरोडायनामिक परफॉर्मेंस को बनाए रखती है।

सफाई का पहला कदम

ट्रेनों पर पानी छिड़कने की सबसे बड़ी वजह है उनकी बाहरी सफाई। भारतीय रेलवे में ऑटोमैटिक कोच वाशिंग प्लांट्स, जैसे टाटा में साउथ ईस्ट रेलवे का प्लांट, 7-8 मिनट में 20 कोच वाली ट्रेन को चमका देते हैं। बड़े ब्रश धूल हटाते हैं, और हाई-प्रेशर वॉटर गंदगी साफ करता है। ये न सिर्फ ट्रेन को साफ-सुथरा बनाता है, बल्कि यात्रियों के लिए हाइजीन भी सुनिश्चित करता है। जापान की शिंकानसेन ट्रेनें अपनी बेदाग चमक के लिए मशहूर हैं, और वहां हर ट्रिप के बाद पानी से सफाई की जाती है।

टेम्प्रेचर को कंट्रोल करना

पानी छिड़कने से ट्रेन की सतह और व्हील्स का टेम्प्रेचर कम होता है। खासकर जापान और यूरोप में, जहां ट्रेनें 320 किमी/घंटा तक की स्पीड से चलती हैं, ब्रेकिंग और रेल के साथ घर्षण से गर्मी पैदा होती है। पानी का छिड़काव इन हिस्सों को ठंडा करता है, जिससे मेटल में टूट-फूट या डिफॉर्मेशन का खतरा कम होता है। ये प्रक्रिया ट्रेन की लाइफ बढ़ाने में मदद करती है।

ट्रेन की उम्र बढ़ाना

बॉडी और पार्ट्स महंगे मटेरियल, जैसे स्टेनलेस स्टील और एल्यूमिनियम, से बने होते हैं। बारिश, धूल और नमी से इनमें जंग लगने का खतरा रहता है। नियमित रूप से पानी छिड़ककर और सफाई करके ट्रेन की सतह को जंग से बचाया जाता है। ऑटोमैटिक वाशिंग प्लांट्स में इस्तेमाल होने वाला पानी और केमिकल्स ट्रेन की सतह पर प्रोटेक्टिव लेयर बनाते हैं। ये प्रक्रिया खासकर तटीय इलाकों में, जहां नमक की मात्रा ज्यादा होती है, बहुत जरूरी है।

घर्षण कम कर ट्रैन को तेज़ और स्मूथ राइड के लिए तैयार करना

रेल्स और व्हील्स पर पानी छिड़कने से घर्षण (फ्रिक्शन) कम होता है। जापान की शिंकानसेन में कुछ मामलों में रेल्स पर पानी का हल्का छिड़काव किया जाता है ताकि व्हील्स की ग्रिप और स्मूथनेस बनी रहे। इससे ट्रेन की स्पीड और स्टेबिलिटी बढ़ती है। खासकर बारिश या बर्फीले मौसम में, ये तकनीक ट्रेन को स्किडिंग से बचाती है। साथ ही, पानी की हल्की परत धूल और छोटे कणों को हटाकर रेल्स को साफ रखती है, जो ट्रेन की परफॉर्मेंस के लिए ज़रूरी है।